वार्षिक रिपोर्ट - 1983-84

संगीत नाटक अकादमी

नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट

विषय सूची

		पृष्ठ
1.	श्रद्धांजलि	8
2.	संगठनात्मक गठन	8-11
3.	बैठकें	11
4.	पुरस्कार वितरण समारोह तथा उत्सव	12-13
5.	मान-प्रदान समारोह	13-14
6.	उत्सव, कार्यक्रम और प्रदर्शनियां	14-20
7.	अकादमी के अतिथि	21-22
8.	सांस्कृतिक मंडलियों के अंतर्राज्यीय विनिमय की योजना	23-24
9.	दुर्लभ कलारूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण	25
10.	कठपुतली कला का संवर्धन तथा परिरक्षण	26
11.	कबायली संस्कृति का विकास	27-28
12.	सांस्कृतिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता	29
13.	प्रकाशन	30-34
14.	अभिलेखागारीय प्रलेखन तथा प्रसार	35-39
15.	पुस्तकालय तथा डिस्क लाइब्रेरी	40
16.	संग्रहालय	41
17.	जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी	42-45
18.	कत्थक केंद्र	46-51
19.	बजट तथा लेखे	52

परिशिष्ट - I	-	31 मार्च 1984 को महापरिषद के सदस्य
परिशिष्ट - II	-	महापरिषद् द्वारा अनुमोदित नियमों तथा विनियमों में संशोधन
परिशिष्ट - III	-	1983-84 के दौरान सांस्कृतिक संस्थाओं को स्वीकृत अनुदान
परिशिष्ट - IV	-	1983-84 के दौरान सांस्कृतिक संस्थाओं (पांच वर्ष 1983-87 की अवधि के लिए आश्वस्त वित्तीय सहायता के लिए अभिज्ञात) को स्वीकृत अनुदान
परिशिष्ट - V	-	वर्ष 1983-84 के दौरान व्यक्तियों/संस्थाओं को स्वीकृत विवेकाधीन अनुदान का विवरण
परिशिष्ट - VI	-	वर्ष 1983-84 का समेकित प्राप्ति तथा अदायगी लेखा (योजनेतर), संगीत नाटक अकादमी, कत्थक केंद्र, नई दिल्ली तथा जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल (योजनेतर तथा योजनागत)
परिशिष्ट - VII	-	वर्ष 1983-84 का समेकित आय-व्यय लेखा, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली, कत्थक केंद्र, नई दिल्ली और जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल
परिशिष्ट - VIII	-	31 मार्च, 1984 को समेकित तुलन-पत्र, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली, कत्थक केंद्र, नई दिल्ली और जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल

प्राक्कथन

संगीत नाटक अकादमी एक राष्ट्रीय संस्था है । इसकी स्थापना भारत सरकार ने प्रदर्शन कलाओं के संवर्धन के लिए 1953 में की थी । अकादमी भारतीय संगीत, नृत्य एवं नाटकों के संवर्धन एवं विकास के लिए; प्रदर्शन कलाओं में प्रशिक्षण के स्तर को बनाए रखने के लिए संगीत, नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों (लोक और कबायली सहित) के पुनरुद्धार, परिरक्षण तथा उनसे संबंधित सामग्री के प्रलेखन और प्रसार के लिए तथा उत्कृष्ट कलाकारों को सम्मानित करने एवं उनके लिए पुरस्कारों की स्थापना के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करती है । यह नृत्य, नाटक और संगीत के क्षेत्र में राज्य अकादमियों के कार्यकलापों का समन्वय भी करती है । अकादमी का सर्वोच्च प्राधिकरण इसकी महापरिषद है । इसके सामान्य अधीक्षण और अकादमी के मामलों के निर्देशन और नियंत्रण का उत्तरदायित्व अधिशासी मंडल पर है जो कि इसका शासी निकाय है ।

अकादमी अखिल भारतीय ख्याति प्राप्त शिक्षकों/गुरुओं के अधीन दो संस्थाएं चलाती है । इनमें से एक कत्थक नृत्य के लिए दिल्ली में और दूसरी मणिपुर नृत्य के लिए इम्फाल में है । दिल्ली स्थित संस्था कत्थक केंद्र और इम्फाल स्थित संस्था जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी कहलाती है ।

जैसा कि ऊपर बताया गया है, प्रदर्शन कलाओं को समर्थन प्रदान करने के लिए एकान्त कार्यक्रमों में से एक है - उत्कृष्ट प्रदर्शन - कलाकारों तथा कला पंडितों को प्रतिवर्ष मान्यता प्रदान करना । यह कार्य प्रसिद्ध चुनींदा कलाकारों को पुरस्कार देकर किया जाता है । तीस आजीवन फैलोशिप देने की भी व्यवस्था है । अधिसदस्यों का चयन महापरिषद

के सदस्यों द्वारा संगीत नृत्य और नाटक के क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कलाकारों अथवा ऐसे व्यक्तियों में से किया जाता है जिन्होंने अपनी विद्वता, अनुसंधान या मौलिक योगदान से प्रदर्शन कलाओं की उत्कृष्ट सेवा की हो ।

भारत की राष्ट्रीय सांस्कृतिक विशिष्टता बनाए रखने तथा उसके संवर्धन की दिशा में एक अन्य महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में संगीत, नृत्य नाटक के क्षेत्रों में कार्यरत राष्ट्रीय संस्थाओं के माध्यम से कलात्मक कार्यकलापों को प्रोत्साहन दिया जाता है । इस उद्देश्य के लिए इन संस्थाओं को छात्रों को प्रशिक्षित करने, उत्सवों का आयोजन करने और नए नाटकों, नृत्य नाटकों आदि की प्रस्तुति के लिए परामर्श एवं वित्तीय सहायता दी जाती है ।

अकादमी अपने अभिलेखागार, संग्रहालय तथा लाइब्रेरी के निर्माण को परम अग्रता प्रदान करती है ताकि विभिन्न कलारूपों के परिरक्षण को सुनिश्चित किया जा सके और अनुसंधान और अध्ययन के लिए उसके समृद्ध संग्रह का प्रसार हो सके । अभिलेखागार में टेप रिकार्ड, छायाचित्र, स्लाइडें, फिल्में, पुस्तकें, संग्रहालय प्रदर्श आदि हैं । अकादमी के संग्रहालय के भाग के रूप में आसावरी के नाम से वाद्ययंत्रों की एक दीर्घा बनाई गई है जिसमें 250 से अधिक वाद्ययंत्र रखे गए हैं जो विभिन्न वाद्य यंत्र समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं । इनमें से कुछ तो दुर्लभ हैं । 'यवनिका' नाम की एक अन्य दीर्घा में अनेक रंगीन मुखौटे, केश-सज्जाएँ, पोशाकें तथा कठपुतलियाँ प्रदर्शित की गई हैं जो भारत की समृद्ध रंगमंचीय विरासत को प्रस्तुत करती हैं ।

संग्रहालय में भारतीय प्रदर्शन कलाओं की परम्परा से सम्बद्ध कई दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रों और मूर्तियों के फोटोग्राफ भी प्राप्त किए गए हैं ।

अकादमी की लाइब्रेरी में सैकड़ों पत्रिकाओं, समाचार-पत्रों और गैर-फिल्मी भारतीय और विदेशी संगीत की डिस्कों के अतिरिक्त लगभग

15,448 पुस्तकें भी हैं। संगीत, नृत्य और नाटक पर प्रामाणिक साहित्य प्रकाशित करना अकादमी का एक महत्वपूर्ण कार्य है। निजी पुस्तकों और मोनोग्राफ प्रकाशित करने के अतिरिक्त, अकादमी लेखकों और संस्थाओं को अनुदान देकर चुनिंदा पुस्तकों के प्रकाशन को भी प्रोत्साहन देती है। अकादमी प्रदर्शन कलाओं पर "संगीत नाटक" नामक एक पत्रिका भी निकालती है जिसमें प्रमुख विद्वानों और विशेषज्ञों के लेख प्रकाशित किए जाते हैं।

अनेक प्रकार की ऐसी लोक और कबायली प्रदर्शन कलाएं हैं जिनके पुनः अन्वेषण तथा वित्तीय एवं कलात्मक - दोनों दृष्टियों से विशेष समर्थन की आवश्यकता है क्योंकि वे हमारे सांस्कृतिक स्वरूप के महत्वपूर्ण अंग हैं। अपने सीमित साधनों के बावजूद, अकादमी ने ऐसे चुनिंदा कलारूपों के परिरक्षण एवं पोषण के लिए वर्षों महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं जिनके समाप्त हो जाने की आशंका थी।

आलोच्य वर्ष के दौरान "प्रदर्शन-कलाओं के दुर्लभ रूपों का परिरक्षण और संवर्धन" योजना के अन्तर्गत जिन रूपों को सहायता मिली वे हैं ध्रुपद, सारंगी, पखावज, रुद्रवीणा, केरल का अष्टपदी गायन, नवजनार्धन पारिजातम् (आंध्र प्रदेश का दुर्लभ नृत्य रूप) और कोडियाट्टम। गुरु और शिष्यों दोनों को वित्तीय सहायता दी गई ताकि वे अपनी अपनी कलाओं को सीख सकें और उसका परिरक्षण कर सकें।

अकादमी ने कठपुतली कला के परिरक्षण और संवर्धन, युवा रंगमंच कलाकारों को सहायता, कबायली संस्कृति और लोक प्रदर्शन-कलाओं के विकास संबंधी योजनाओं को लागू किया।

वर्ष 1983-84 के दौरान शुरू किए कार्यक्रमों में 'देश में संगीत उत्सव आयोजन' योजना में राज्य अकादमियों के तत्वावधान में केरल, मणिपुर और राजस्थान में आयोजित किए गए उत्सव शामिल हैं। बम्बई की 'सुर सिंगार संसद' ('स्वामी हरिदास संगीत सम्मेलन') और स्पिक मैके ने अकादमी द्वारा दी गई पर्याप्त वित्तीय सहायता से छात्रों में संगीत के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए शास्त्रीय संगीत उत्सव आयोजित किए। महाराजा कालका बिन्दादीन कथक उत्सव जो कथक केन्द्र का वार्षिक कार्यक्रम है, दिल्ली में आयोजित किया गया। कथक केंद्र नई दिल्ली के प्रस्तुति एकक और इम्फाल स्थित जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी के कलाकारों द्वारा देश के विभिन्न भागों और विदेशों में बहुत से कार्यक्रम पेश किए गए। केरल के कलाकारों ने एक कथकली नृत्य नाटक 'डा० फास्ट' दिल्ली में आयोजित किया और क्षेत्रीय उत्सवों के अन्तर्गत कई नाटक खेले गए। अकादमी ने श्रीमती कालिन्दी नारायणन् (भरत नाट्यम) और श्रीमती रोहिणी भाटे (कथक) द्वारा अभिनय पर संयुक्त रूप से क्रियान्वित अनुसंधान परियोजना को वित्तीय सहायता दी। उन्होंने दिल्ली में एक प्रदर्शन कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।

वर्ष के दौरान पांच विभिन्न शहरों में 'संगीत नाटक अकादमी के 25 वर्ष' नामक विशाल प्रदर्शनी के छायाचित्रों और चित्र वाले भाग को दिखाया गया।

अकादमी ने 'कठपुतली कला के परिरक्षण एवं संवर्धन' की अपनी योजना के अन्तर्गत थोलपवाकुथु (केरल का छाया रंगमंच) और पवाकुथु (केरल की दस्ताना कठपुतली कला) में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वित्तीय सहायता दी। कठपुतली कला के उत्सव आयोजित करने के लिए तीन प्रमुख संगठनों को अनुदान दिए गए।

वर्ष के दौरान अकादमी ने अपने अभिलेखागार में लगभग 75 घंटे का टेप रिकार्डिंग, 13 घंटे का वीडियो रिकार्डिंग, 1356 छायाचित्र और 330 रंगीन स्लाइडों की वृद्धि की। अभिलेखागारीय सामग्री के प्रसार के लिए 81 घंटे की ध्वनि रिकार्डिंग को डब किया गया और 66 घंटे की टेप रिकार्डिंग श्रोताओं को सुनाई गई। अकादमी ने लोगों और संस्थाओं को उनके अनुरोध पर लगभग 2351 छायाचित्र और 576 रंगीन स्लाइडें दीं। अभिलेखागार से लगभग 105 फिल्में दिखाने के लिए दी गईं।

"सांस्कृतिक मंडलियों के अन्तर्राज्यीय विनिमय" योजना, जिसका उद्देश्य भावनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रगति, विकास एवं सांस्कृतिक बोध में वृद्धि करना है, के अंतर्गत किसी क्षेत्र विशेष के कला रूपों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगीतकारों के चुनिंदा दलों एवं नर्तक तथा नाटक मंडलियों को अपने राज्य के अलावा अन्य राज्यों में भेजने की व्यवस्था की जाती है। वर्ष के दौरान ग्यारह राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने पंद्रह राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक मंडलियां भेजीं।

-0-

श्रद्धांजलि

वर्ष के दौरान मृत्यु ने प्रदर्शन कला जगत के कई कलाकारों और विद्वानों को हम से छीन लिया। इनमें से ये प्रमुख हैं :-

1. श्रीमती टी. बालासरस्वती - भरत नाट्यम् की आख्याता और पुरस्कार विजेता (1955) और अधिसदस्य (1975);
2. श्री आशुतोष भट्टाचार्य - प्रसिद्ध विद्वान और अधिसदस्य (1966);
3. श्री अजितेश बंधोपाध्याय - प्रसिद्ध रंगमंच निर्देशक और पुरस्कार विजेता (1973);
4. श्रीमती अंगूरबाला देवी - प्रसिद्ध संगीतकार और पुरस्कार विजेता (1983);
5. श्री विष्णु दास शिराली - प्रसिद्ध स्वररचनाकार और पुरस्कार विजेता (1973);
6. श्री वसंत राव देशपांडे - प्रसिद्ध संगीतकार और पुरस्कार विजेता (1982);
7. श्री सुनील बोस, - प्रसिद्ध संगीतकार
8. श्री रामनाद ऐश्वर्यन् - प्रसिद्ध मृदंगवादक

अकादमी उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

संगठनात्मक गठन

संगीत नाटक अकादमी एक राष्ट्रीय संस्था है। इसकी स्थापना भारत सरकार ने प्रदर्शन कलाओं के संवर्धन और प्रचार के लिए 1953 में की

थी । अकादमी सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अधीन 1961 में पंजीकृत की गई और यह स्वायत्त संगठन के रूप में काम करती है ।

अकादमी का प्रबंध महापरिषद के हाथ में है । अकादमी का सामान्य अधीक्षण, निर्देशन तथा कार्यों का नियंत्रण अधिशासी मंडल करता है जो कि अकादमी का शासी निकाय है । अकादमी के अध्यक्ष उसके प्रशासनिक प्रमुख भी हैं । अकादमी का प्रधान अधिशासी अधिकारी सचिव है जिसको कि दिन प्रतिदिन के कार्यों में सहायता के लिए कई सहायक सचिव, अन्य अधिकारी और कर्मचारी हैं । वित्त समिति, जिसके पदेन अध्यक्ष, शिक्षा एवं संस्कृति मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार हैं, वित्तीय मामलों में अधिशासी मंडल की सहायता करती है । अकादमी, दो प्रशिक्षण संस्थाएं - इम्फाल स्थित जवाहरलाल नेहरू नृत्य अकादमी और नई दिल्ली स्थित कत्थक केन्द्र चलाती है जिनमें क्रमशः मणिपुरी नृत्य और कत्थक नृत्य का प्रशिक्षण दिया जाता है । इन दो संस्थाओं के कार्यकलापों का विस्तृत विवरण रिपोर्ट में अलग से दिया गया है ।

अकादमी के उद्देश्य, महापरिषद, अधिशासी मंडल तथा वित्त समिति और अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सचिव की भी शक्तियों और कार्यों का उल्लेख संस्था के बहिर्नियमों में किया गया है । अकादमी शास्त्रीय, परम्परागत और समकालीन आदि सभी समृद्ध विविध रूपों में प्रदर्शन कलाओं के संवर्धन और पोषण, प्रशिक्षण के स्तर को बनाए रखने, उत्कृष्ट कलाकारों को मान्यता देने तथा संगीत, नृत्य और नाटक के लुप्त होने वाले रूपों के पुनरुद्धार, परिरक्षण और प्रलेखन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करती है ।

आलोच्य वर्ष के दौरान महापरिषद् ने अपने संविधान में कुछ संशोधनों का सुझाव दिया है जिन पर भारत सरकार विचार कर रही है।

31 मार्च 1984 को महापरिषद के सदस्यों की सूची परिशिष्ट-I में दी गई है।

31 मार्च, 1984 को अधिशासी मंडल तथा वित्त समिति के सदस्यों की सूची इस प्रकार है :

डा० वा० के० नारायण मेनन	अध्यक्ष
श्री वा० पा० कृष्णमूर्ति	उपाध्यक्ष
श्री मनमोहन सिंह	वित्तीय सलाहकार
पंडित रविशंकर	सदस्य
श्री कोमल कोठारी	,,
कुमारी पी० एस० शकुंतला	,,
कुमारी ऊषा भगत	,,
श्री अशोक वाजपेयी	,,
श्रीमती विजया फारुख मेहता	,,
श्री विष्णु नारायण पानीकर	,,
डा० (कुमारी) पद्मा सुब्रह्मण्यम्	,,
श्री टी० एन० कृष्णन्	,,
श्री अशोक डी० रानडे	,,
श्री रतन थियम	,,
श्रीमती दीपाली नाग	,,
श्री नरेन्द्र शर्मा	,,
डा० मोदाली नागभूषण शर्मा	,,

वित्त समिति

श्री मनमोहन सिंह	अध्यक्ष
श्री प्राण किशोर	सदस्य
श्री हफीज अहमद खां	,,
कुमारी ऊषा भगत	,,
कुमारी पी० एस० शकुन्तला	,,

अकादमी के अधिकारी

31 मार्च 1984 को अकादमी के अधिकारी निम्नलिखित थे :-

अध्यक्ष	डा० वी० के० नारायण मेनन
उपाध्यक्ष	श्री पी० वी० कृष्णामूर्ति
वित्तीय सलाहकार	श्री मनमोहन सिंह
सचिव	श्री के० एस० कोठारी

बैठकें

अकादमी की महापरिषद की दो बैठकें - 23 दिसम्बर, 1983 को हुई। इनमें से एक असाधारण बैठक थी जो संविधान में किए जाने वाले कुछ संशोधनों पर विचार करने के लिए बुलाई गई थी।

अधिशासी मंडल की बैठकें 21 और 22 फरवरी, 1983; 21 मई 1983; 23 जुलाई, 1983 और 22 दिसम्बर, 1983 को हुईं।

वित्त समिति की बैठक 27 अक्तूबर, 1983 को हुई।

पुरस्कार वितरण समारोह और उत्सव 1983-84

संगीत नाटक अकादमी द्वारा विशिष्ट कलाकारों को प्रदत्त अकादमी के वार्षिक पुरस्कार, देश में प्रदर्शन-कलाओं के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि और उत्कृष्ट स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं और ये पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर के माने जाते हैं।

1983 के दौरान अकादमी के पुरस्कारों के लिए निम्नलिखित कलाकारों का चयन किया गया :-

संगीत

माधव प्रसाद मिश्र	हिन्दुस्तानी गायन
हरिप्रसाद चौरसिया	हिन्दुस्तानी वादन (बांसुरी)
डा० के० जयरामन्	कर्नाटक गायन
पालघाट आर० रघु	कर्नाटक वादन (मृदंगम्)
श्रीमती अंगुरबाला देवी	संगीत
चिदाम्बरम् एस० जयरामन्	सर्जनात्मक संगीत
सिद्दीक मांगेनियार	लोकसंगीत
धर्मिक लाल चुन्नीलाल पांडे	आख्यान

नृत्य

डा० (कुमारी) पद्मा सुब्रह्मनियम	भरत नाट्यम्
चम्पाकुलम पाडु पिल्लई	कथकली
नटराज रामकृष्णन	भरत नाट्यम तथा कुचिपुडी
जा० गौड़ किशोर शर्मा	मणिपुरी युद्ध कलाएं
ललित चन्द्र ओझा	लोक नृत्य (असम)

नाटक

1983-84

कावलम नारायण पणिक्कर	निर्देशन
चन्द्रशेखर वी० कम्बार	नाटक लेखन (कन्नड़)
दत्तारे रामचन्द्र भाट	अभिनय
कुमार राय	अभिनय
मुहम्मद सुभान भगत	भांड पाथेर (जम्मू-कश्मीर)
मेहर रुस्तम कॉन्ट्रैक्टर	कठपुतली

मान-प्रदान समारोह

वर्ष 1983 के लिए अकादमी का पुरस्कार वितरण समारोह 8 मार्च 1984 को नई दिल्ली में कमानी ऑडीटोरियम हाल में सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय शिक्षा, संस्कृति और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती शीला कौल ने पुरस्कार वितरित किए।

संगीत के लिए पुरस्कार प्राप्त करने वाली श्रीमती अंगूर बाला देवी पुरस्कारों की घोषणा के बाद स्वर्ग सिधार गईं। श्री हरि प्रसाद चौरसिया और डा० नटराज रामकृष्ण पुरस्कार लेने के लिए स्वयं उपस्थित नहीं हो सके।

पुरस्कार वितरण समारोह के बाद श्री बिरजू महाराज ने, जिन्हें 1964 में कथक नृत्य के लिए अकादमी पुरस्कार मिला था, नृत्य प्रस्तुत किया।

इसके बाद अकादमी ने 9 मार्च से 14 मार्च, 1984 तक 6 दिवसीय संगीत, नृत्य और नाटक का समारोह आयोजित किया जिसमें पुरस्कार

1983-84

प्राप्त करने वाले कुछ कलाकारों ने भाग लिया। इनमें से कुछ कार्यक्रमों का ब्यौरा रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया है।

कला और संस्कृति के श्रीराम केन्द्र में 30 अगस्त 1983 को एक विशेष मान-प्रदान समारोह आयोजित किया गया जिसमें पंडित रवि शंकर को एक ताम्रपत्र भेंट किया गया। पंडित रवि शंकर 1975 में संगीत नाटक अकादमी के अधिसदस्य चुने गए थे। इसी अवसर पर वर्ष 1982 के लिए सर्जनात्मक संगीत के लिए अकादमी पुरस्कार विजेता, श्री विजय राघव राव भी अकादमी अध्यक्ष डा0 नारायण मेनन से ताम्र-पत्र प्राप्त करने के लिए स्वयं उपस्थित थे। समारोह के बाद श्री उमाशंकर मिश्र ने सितार-वादन प्रस्तुत किया।

उत्सव, कार्यक्रम और प्रदर्शनियां

पाश्चात् संगीत गोष्ठी

संगीत नाटक अकादमी ने ब्रिटिश काउंसिल डिवीजन के साथ मिलकर 18 जून 1983 को कमानी ऑडिटोरियम में लंदन गेब्रियली ब्रास एन्सेंबल द्वारा पाश्चात् संगीत गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी की समाचार-पत्रों और दिल्ली के पाश्चात् संगीत के प्रशंसकों द्वारा बहुत सराहना की गई।

अन्तर्राष्ट्रीय संगीत दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय संगीत दिवस के उपलक्ष्य में संगीत नाटक अकादमी ने 1 अक्तूबर 1983 को राष्ट्रीय संग्रहालय के सभागार में वृंदगान का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। गोष्ठी गायन के इस कार्यक्रम में भाग

लेने के लिए दो प्रमुख वृंदगान मंडलियाँ - जैसे कलकत्ता यूथ गायक वृंद और दिल्ली के गंधर्व गायकवृंद को आमंत्रित किया गया। कलकत्ता यूथ गायकवृंद का नेतृत्व श्रीमती रुमा गुहा ठाकुरटा ने किया और उन्होंने अनेक बंगाली गीतों के साथ साथ कई क्षेत्रीय भाषाओं में गीत प्रस्तुत किए। इसके बाद दिल्ली के गंधर्व गायक वृंद ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। दोनों मंडलियों ने देश के राष्ट्रीय और देशभक्ति के गीतों पर जोर दिया।

संगीत समारोह

"देश में संगीत समारोह आयोजन" योजना के अन्तर्गत अकादमी ने देशभर में विभिन्न संगीत समारोह आयोजित करने के लिए आर्थिक सहायता दी, जिनमें कबायली लोक और दुर्लभ पारम्परिक प्रदर्शन कलाएं भी शामिल थीं। तदर्थ अनुदान प्राप्त करने वाली पांच संस्थाओं में से बम्बई की सुर सिंगार ने 25 जनवरी और 2 फरवरी 1984 के बीच स्वामी हरिदास सम्मेलन आयोजित किया। अकादमी की वित्तीय सहायता से स्पिक मैके ने, गत वर्षों की भांति, कालेज और विश्व-विद्यालय के छात्रों को शास्त्रीय संगीत के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए एक समारोह आयोजित किया। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी ने अकादमी की वित्तीय सहायता से अप्रैल 1984 में बांसवाड़ा में एक लोक कला उत्सव आयोजित किया। केरल संगीत नाटक अकादमी और मणिपुर राज्य कला अकादमी के तत्वावधान में भी क्रमशः केरल और मणिपुर में इसी प्रकार के उत्सवों के लिए वित्तीय सहायता दी गई।

तालागनृत्य में व्याख्यान प्रदर्शन

अकादमी ने 26 सितम्बर को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में कुमारी अबान बाना द्वारा तालागनृत्य में एक व्याख्यान दिखाने का

आयोजन किया। कुमारी वासना ने यह दिखाया कि यह कैसे किया जाता है। उन्होंने कला (ताल)गंनृत्य की संकल्पना को संगीत के साथ किए गए बुनियादी अभ्यासों के शैक्षिक और व्याख्यात्मक पक्ष पर बल दिया। की सहायता से समझाया गया।

कथकली नाटक

संगीत नाटक अकादमी ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सहयोग से 23 अक्तूबर, 1983 को सेंटर के लान में "डाक्टर फास्टस" नाटक को कथकली शैली में प्रस्तुत किया। प्रो० आयमानम् कृष्णन कइमल द्वारा रूपान्तरित गेटे के नाटक "डाक्टर फास्टस" का प्रदर्शन श्री एम० शिवशंकर पिल्लई और पार्टी ने किया। इस कथकली नाटक को दिल्ली के दर्शकों द्वारा भी सराहना की गई। यह नाटक आजकल केरल में अत्यंत लोकप्रिय है। प्रदर्शन से पहले दिन सुप्रसिद्ध नृत्य कला पंडित श्री एम० के० के० नायर ने केंद्र के सभागार में कथकली पर एक परिचायक व्याख्यान दिया।

उदय उत्सव

स्वर्गीय श्री उदयशंकर की स्मृति में आयोजित "उदय उत्सव" के दौरान संगीत नाटक अकादमी ने 9 दिसम्बर 1983 को "कल्याण सौगन्धिकम्" नामक नृत्य-नाटक के प्रस्तुतिकरण का आयोजन किया। यह नृत्य-नाटक श्री कला मंडलम् कृष्णन नायर और पार्टी द्वारा सीरी फोर्ट सभागार में प्रस्तुत किया गया।

अभिनय संगम

नृत्य के दो रूपों - कथक और भरतनाट्यम् की अभिनय तकनीकों की समानताओं और असमानताओं का प्रदर्शन करने के लिए दिल्ली के त्रिवेणी चेम्बर थियेटर में 18 फरवरी 1984 को एक ही संगीत गोष्ठी में

श्रीमती रोहिणी भाटे और श्रीमती कलानिधि नारायणन् दोनों उपस्थित थीं। इस कार्यक्रम के संयुक्त अनुसंधान के लिए संगीत नाटक अकादमी ने धन की व्यवस्था की। अभिनय संगम कार्यक्रम की विषयवस्तु कत्थक भरत नाट्यम - दोनों शैलियों की सामूहिक भारतीय शास्त्रीय नृत्य की नायिकाएं थीं।

हयवदन का प्रदर्शन

वर्ष 1983-84 नाटक और रंगमंच के कार्यकलापों के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। अकादमी ने कुछ विशिष्ट नाटक और कार्यक्रम प्रायोजित किए। वर्ष की प्रथम महत्वपूर्ण घटना थी श्री गिरीश कर्नाड के प्रसिद्ध कन्नड नाटक 'हयवदन' के मराठी रूपान्तर का प्रस्तुतीकरण जिसका निर्देशन श्रीमती विजया मेहता ने किया। इस प्रस्तुतीकरण में महाराष्ट्र के कुछ पारम्परिक लोकरूपों को भी अपनाया गया और इससे नाटक को एक नवीन अभिव्यक्ति मिली।

प्रदर्शन से एक दिन पहले अर्थात् 9 अगस्त 1983 को नाटक और उसके प्रस्तुतिकरण पर श्रीमती विजया मेहता और सुप्रसिद्ध जर्मन निर्देशक फ्रिट्ज़ बेनेविट्ज़ जो उसके संगीतकार भी थे, ने एक पैनल चर्चा भी आयोजित की। श्री भास्कर चन्दावरकर और नैशनल स्कूल आफ ड्रामा की अध्यक्षा श्रीमती शान्ता गांधी नामिका की सदस्य थीं।

विजय तेंदुलकर द्वारा व्याख्यान-प्रदर्शन

सुप्रसिद्ध नाटककार श्री विजय तेंदुलकर ने "चेहरों" के फोटो-चित्रात्मक अध्ययन पर आधारित स्लाइडों सहित एक सचित्र वार्ता "चेहरे" 6 सितम्बर 1983 को त्रिवेणी चेम्बर थियेटर में आयोजित की। यह वार्ता श्री तेंदुलकर के उस अध्ययन का एक भाग थी जो उन्होंने नेहरू फेलोशिप

पर काम करते समय किया था। इस प्रदर्शन में उत्तरप्रदेश, उड़ीसा, बिहार, मध्यप्रदेश के अकालग्रस्त गांवों के पुरुषों और महिलाओं के चेहरों का व्यापक छायाचित्रात्मक रूप प्रस्तुत किया गया। स्क्रीन पर मर्मस्पर्शी टिप्पणी के साथ सैकड़ों पात्रों का जो गहन अध्ययन दिखाया गया-उससे दर्शकों को पर्याप्त जानकारी प्राप्त हुई।

कुडियाट्टम उत्सव

श्री अम्मानूर चाचू चाक्यार स्मारक गुरुकुलम द्वारा कुडियाट्टम उत्सव आयोजित किया गया और संगीत नाटक अकादमी ने उसके लिए धन की पूरी व्यवस्था की। यह उत्सव 31 अक्तूबर से 14 नवम्बर, 1983 तक त्रिचूर में एक कुथाम्बलम् में आयोजित किया गया। श्री अम्मानूर माधव, चाक्यार और उनकी मंडली ने तीन नाटक महेन्द्र विक्रम का मत्तविलासम्, भास का बाली वधम् और शाल भद्र के सीताहरणाम् किये। ये नाटक क्रमशः 3 दिन, 4 दिन और 6 दिन प्रदर्शित किए गए। इस उत्सव में केरल के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में प्रसिद्ध रंगमंच कलाकारों (देश के सभी भागों और विदेशों से अनुसंधानकर्ताओं) ने भाग लिया।

दक्षिण क्षेत्र रंगमंच उत्सव

रंगमंच आंदोलन को राष्ट्रव्यापी बनाने के लिए रंगमंच के युवा एवं उत्साही कलाकारों के सृजनात्मक कार्य को समर्थन देने तथा उसे कायम रखने के उद्देश्य से संगीत नाटक अकादमी ने "युवा रंगमंच कलाकारों की सहायता" नामक योजना शुरू की है। इस योजना के अधीन प्रत्येक वर्ष चार क्षेत्रीय और एक राष्ट्रीय उत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव है।

इस योजना के अधीन पहला उत्सव कर्नाटक नाटक अकादमी के सहयोग से बंगलौर में 7 से 12 जनवरी 1984 को आयोजित किया गया। उत्सव का उद्घाटन श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय ने किया और उसकी अध्यक्षता श्री आद्य रंगाचार्य ने की।

सोफोक्लीज की त्रासदी 'एन्टीगोन' का तमिल रूपान्तरण रियल थियेटर मूवमेंट ने प्रस्तुत किया। इसकी प्रस्तुति में इसके निर्देशक श्री एन० रामास्वामी ने परम्परागत रूपों यथा तेरुकुट्टू, तेरुक्कूत्तो और कायलकुम्मी का प्रयोग किया।

श्री अदिली कृष्णाराव द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक "तुरापुरेलालु" की प्रस्तुति नाट्य भारती विशाखापत्तनम् ने की।

प्रो० जी० शंकर पिल्लई के मलयालम नाटक 'स्नेहदूतन' का निर्देशन त्रिचुर की नाटक वेदी के लिए श्री सी०के० थामस ने किया।

डा० चन्द्रशेखर कम्बार द्वारा लिखित कन्नड़ नाटक 'हुलिय नेरालु' का निर्देशन बंगलौर की जनपद रिपर्टरी कम्पनी के बैनर में श्री प्रसन्ना ने किया। यह नाटक उत्तरी कर्नाटक की लोकवार्ता पर आधारित श्री सी० एस० कम्बार महाकाव्य का रूपान्तरण है। श्री प्रसन्ना ने इस प्रस्तुतीकरण के लिए वर्णनात्मक लोक रूप 'जोगेर आटा' का प्रयोग किया है।

पिछली शाम को दिखाए गए नाटक की प्रस्तुति पर सुबह की बैठकों के दौरान संगोष्ठियां आयोजित की गईं। सर्वश्री बी०वी० कारंथ, कैवलम नारायण पाणिक्कर, डा० चन्द्र शेखर कम्बार, एन० सी० जैन, के० वी० सुबन्ना, मानवेन्द्र नाथ, शंकरन कुट्टामा, प्रोबीर गुहा, वासुदेवन पिल्लै आदि कुछ विशेषज्ञों ने उत्सव और संगोष्ठी में भाग लिया।

मार्च 1984 में पुरस्कार-उत्सव के दौरान निम्नलिखित नाटक प्रस्तुत किए गए :-

चरीम कुट्टी

यह नाटक श्री विक्रम नारायण पणिक्कर द्वारा लिखा गया था और एक नवीन शैली में प्रस्तुत किया गया था जिसमें केरल के विभिन्न लोक नृत्यों और रंगमंच रूपों के अनेक तत्वों का समावेश था।

माड़ कुड़ी

इस नाटक का निर्देशन श्रीमती एस० मालती ने किया और यह डा० चंद्रशेखर कम्बार द्वारा लिखा गया था जो नाटक-लेखन में पुरस्कार विजेता रहे हैं।

रुस्तम सोहराब (छाया नाटक)

इस छाया कठपुतली नाटक की विषयवस्तु रुस्तम-सोहराब की प्रसिद्ध कहानी थी जिसका डिजाइन और प्रस्तुतिकरण श्रीमती मेहर आर० कान्ट्रैक्टर ने किया।

भांड पाथेर

जम्मू-व-कश्मीर का लोकप्रिय लोक रंगमंच रूप 'भांड पाथेर' मोहम्मद सुभान भगत और उसकी मंडली द्वारा प्रस्तुत किया गया।

'संगीत नाटक अकादमी के 25 वर्ष'- पर प्रदर्शनी

अकादमी ने अगस्त, 1982 में अपने रजत जयंती समारोह के एक भाग के रूप में - 'संगीत नाटक अकादमी के 25 वर्ष' नामक एक प्रदर्शनी आयोजित की जिसमें अकादमी के गत 25 वर्षों के कार्यकलाप एवं उपलब्धियां दिखाई गई थीं। यह प्रदर्शनी मई-जून, 1983 के दौरान अहमदाबाद, पणजी, हैदराबाद और भुवनेश्वर में लाई गई और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आए।

अकादमी के अतिथि

संगीत नाटक अकादमी ने संयुक्त राज्य अमरीका के संगीतकार और संगीत रचनाकार श्री फिलिप ग्लास और सुप्रसिद्ध अमरीकी नृत्य रचनाकार श्री मर्स कनिंघम के सम्मान में दोपहर का भोज दिया। श्री ग्लास और श्री कनिंघम के साथ विचारों का आदान-प्रदान के लिए काफी संख्या में भारतीय कलाकारों और विद्वानों को आमंत्रित किया गया।

स्विट्जरलैंड आर्ट प्रो हेल्वेशिया परिषद् के श्री रोलैंड रूफिक्स के नेतृत्व में 6 सदस्यों का एक प्रतिनिधि मंडल मार्च के महीने में दिल्ली आया। सामान्य हित के मामलों पर अकादमी के अध्यक्ष से चर्चा करने के लिए प्रतिनिधि मंडल अकादमी गया। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में प्रतिनिधि मंडल के समक्ष एक नृत्य का कार्यक्रम पेश किया गया जिसमें भारत के तीन प्रमुख नृत्य रूप-कुचिपुडी, कत्थक और भरत नाट्यम प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम के बाद रात्रि भोज दिया गया जिसमें प्रमुख नागरिकों, कलाकार और बुद्धिजीवी समुदाय के सदस्यों को प्रतिनिधि मंडल से मिलने के लिए आमंत्रित किया गया।

16 फरवरी को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में श्रीमती रुक्मिणी देवी अरुण्डेल के सम्मान में एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया जिसमें नर्तक, नृत्य समालोचक और दिल्ली के कलाकार समुदाय के मुख्य सदस्य आमंत्रित किए गए। श्रीमती रुक्मिणी देवी अरुण्डेल के साथ आए कला क्षेत्र नृत्य मंडली के सदस्य भी उपस्थित थे।

अकादमी में आए अन्य विशिष्ट विद्वान और अतिथि ये थे :-

- श्री पीटर फ्लैचर जो ओर्केस्टर शायर में भारतीय संगीत में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित कर रहे हैं
- भारतीय विदेश सेवा के परिवीक्षार्थियों के एक दल ने आई० सी० सी० आर० के तत्वावधान में अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत अकादमी का दौरा किया
- अरब कंजरवेंटरी आफ म्यूजिक, दमिश्क के श्री सोहेली वादी
- मारीशस में भोजपुरी संस्थान की निदेशक श्रीमती सरिता बुधू
- आकलैंड के फिजी संघ के श्री सत्येन्द्र, के० सिंह
- ग्रीस के प्रसिद्ध संगीतज्ञ श्री जार्ज हादजीनिकोस

-0-

सांस्कृतिक मंडलियों का अन्तर्राज्यीय विनिमय

"सांस्कृतिक मंडलियों का अन्तर्राज्यीय विनिमय" योजना का उद्देश्य देश में भावनात्मक तथा सांस्कृतिक एकता को बढ़ाना है और राष्ट्रीय प्रगति, विकास एवं सांस्कृतिक जानकारी में वृद्धि करना है। इस प्रयोजन के लिए इस योजना के अधीन एक क्षेत्र के विशिष्ट कलारूपों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगीतकारों, नर्तकों और नाटक मंडलियों को अन्य राज्यों में अपनी अपनी कला के प्रदर्शन के लिए भेजने की व्यवस्था की जाती है।

योजना की कार्य प्रगति की समीक्षा करने और उस पर विचार करने तथा वर्ष के दौरान यात्राओं का कार्यक्रम तैयार करने के लिए प्रति वर्ष सहभागी राज्य सरकारों के सम्पर्क अधिकारियों का एक सम्मेलन किया जाता है।

सामान्यतः प्रत्येक मंडली एक राज्य का 12 या 15 दिन तक दौरा करती है तथा लगभग आठ कार्यक्रम प्रस्तुत करती है जिनमें से दो ग्रामीण क्षेत्रों में करने होते हैं।

यद्यपि योजना के कार्यान्वयन पर होने वाले व्यय का अधिकांश भाग संगीत नाटक अकादमी वहन करती है तथापि योजना में भाग लेने वाली राज्य सरकार भी कुछ मदों पर व्यय करती है।

इस योजना का श्रीगणेश भारत सरकार के संस्कृति विभाग ने किया था तथा शुरू में इसका संचालन भी वही करता था। अकादमी को यह योजना 1980-81 में सौंपी गई और इस प्रयोजन के लिए 5 लाख रुपए की राशि आवंटित की गई।

विभिन्न राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के सम्पर्क अधिकारियों का एक सम्मेलन अप्रैल 26 और 27, 1983 को लखनऊ में आयोजित किया गया जिसमें वर्ष 1983-84 के लिए दौरों की सूची तैयार की गई।

आलोच्य वर्ष के दौरान 11 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों ने अपनी सांस्कृतिक मंडलियां 15 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में भेजीं।

-८-

कला

दुर्लभ/रूपों का संवर्धन और परिरक्षण

अकादमी उन विभिन्न प्रकार की लोक और क्लासिकी प्रदर्शन-कलाओं, जिनको सहायता की आवश्यकता है, को वित्तीय और कलात्मक - दोनों दृष्टियों से बढ़ावा देने के लिए एक योजनागत स्कीम चलाती है। चुनिंदा दुर्लभ कलारूपों के परिरक्षण और संवर्धन के लिए लुप्तप्राय कला-रूपों की पहचान कर ली गई है और इनमें से कुछ को प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता दी जा रही है। इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत योग्य छात्रों को अपने अपने क्षेत्र के प्रसिद्ध परम्परागत गुरुओं द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आलोच्य अवधि के दौरान उस्ताद असद अली खां के अधीन रुद्र वीणा में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु किया गया। पखावज वादन कला के पोषण के लिए भी इसी प्रकार की वित्तीय सहायता दी जा रही है जिसके अन्तर्गत नाथद्वारा में गुरु पुरुषोत्तम दास छात्रों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। इस अवधि के दौरान कूडियाट्टम प्रशिक्षण कार्यक्रम इस शैली के दो विख्यात गुरु श्री माणि माधव चाक्यार और श्री अम्मानूर माधव चाक्यार के अधीन जारी है। इस योजना के अधीन कूडियाट्टम उत्सव भी त्रिचूर में अम्मानूर चाचू चाक्यार स्मारक गुरुकुल द्वारा आयोजित किया गया। इसके लिए संगीत नाटक अकादमी ने धन की व्यवस्था की।

पंडित रामचतुर मलिक, श्री सियाराम तिवारी तथा उस्ताद नासिर अमीनुद्दीन डागर के अधीन ध्रुपद में प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रहा। पंडित रामनारायण ने दो छात्रों को सारंगी में प्रशिक्षण दिया। डा० नटराज रामकृष्णन के पर्यवेक्षण में उनके छात्र श्री कला कृष्णन ने आंध्र प्रदेश के दुर्लभ नृत्य शैली "नवजनार्दनम्" में पांच छात्रों को प्रशिक्षण दिया। केरल में, श्री राम पोडुवाल ने अष्टपदी गायन में दस छात्रों को प्रशिक्षित किया।

कठपुतली कला का परिरक्षण और संवर्धन

अकादमी कठपुतली कला का परिरक्षण और संवर्धन नामक एक योजनागत स्कीम चलाती है। चूंकि मूलतया: कला रूपों के संरक्षण के लिए अकादमी इन क्षेत्रों के कलाओं को सीखने के लिए युवा कलाकारों को सहायता देने के लिए इस योजना के अधीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है। आलोच्य अवधि के दौरान पाव कथकली और कठपुतली निर्माण में केरल में विज्ञान कला वेदी केन्द्र / पुथेनकावू / चेंगनूर में प्रशिक्षण दिया गया। श्री के0 नारायण नम्बूदरी ने एक छात्र को कठपुतली निर्माण में प्रशिक्षण दिया जबकि श्री के0 वी0 रामकृष्णन ने केरल का दस्ताना कठपुतली रंगमंच - पवा कथकली की कला में कुछ छात्रों को प्रशिक्षण दिया।

इस अवधि के दौरान थोल पाव कुथु में जो केरल का परम्परागत छाया रंगमंच है, श्री के0 एल0 रामचन्द्रन के अधीन प्रशिक्षण जारी रहा। उनके अधीन कुछ प्रशिक्षार्थियों ने यह कला सीखी।

आधुनिक और परम्परागत - दोनों प्रकार के विभिन्न कठपुतली रंगमंच समूहों को अवसर प्रदान करने की दृष्टि से इस योजना के अधीन कठपुतली उत्सव आयोजित करने के लिए पश्चिम बंगाल की शिल्प परिषद को (रु0 13,000), नई दिल्ली के श्रीनिवास मल्लिहा मेमोरियल रंगमंच शिल्प न्यास को (रु0 10,000) और श्रीराम सेंटर फॉर आर्ट एंड कल्चर, नई दिल्ली को (रु0 15,000) का अनुदान दिया गया।

कबायली संस्कृति का विकास

कबायली संस्कृति के विकास के लिए अपनी योजना के भाग के रूप में अकादमी ने मध्यप्रदेश के कबायली नृत्य और संगीत का तीन दिन का उत्सव 22 और 24 मार्च, 1984 के बीच भोपाल में मध्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद के सहयोग से आयोजित किया। यह उत्सव भारत भवन के खुले रंगमंच पर आयोजित किया गया। उत्सव का आरंभ रंगपंचमी के दिन किया गया जो रंगों से होली खेलने का स्थानीय लोकप्रिय त्योहार है।

होली के मूड में उत्सव का प्रारम्भ कली-तुरी से किया गया जो मध्य प्रदेश के निमाड़ जिले के संगीत का एक रूप है। इसके बाद होशंगाबाद के आदिवासियों ने करमा नृत्य पेश किया। मधुराम देवांगन ने पांडवनी शैली में महाभारत की कथा प्रस्तुत की। उस संध्या का अंतिम कार्यक्रम था, बुंदेलखंड का राई नृत्य।

अगली शाम के कार्यक्रम में श्रीमती सूरजबाई खांडे के दो प्रसिद्ध गाथा गीतों - 'ढोलामारू' और 'लोरिकचंदा' के कुछ अंश, पुरुष नर्तकों द्वारा प्रस्तुत परम्परागत नृत्य 'सेहरा' और छत्तीसगढ़ की तीजन बाई का पांडवनी शैली में नृत्य शामिल थे। कार्यक्रम, छत्तीसगढ़ के आदिवासियों द्वारा प्रस्तुत प्रभावशाली पंथी नृत्य से समाप्त हुआ।

उत्सव के अंतिम दिन सिद्धेश्वर सेन की मंडली ने 'मटकी नृत्य', मंडला जिले के गोंडों का 'करमा नृत्य', बस्तर का 'परब नृत्य', सूरजबाई द्वारा भरथरी की कथा का वर्णन, श्री शेख गुलाब की पार्टी का

आनुष्ठानिक नृत्य सैला, मदन निषाद, लालूराम और पार्टी द्वारा छत्तीसगढ़ की नाचा शैली में जमादारिन नाटक के कुछ अंश प्रस्तुत किए गए। भीलों के भगोरिया नृत्य से उत्सव का समापन हुआ।

अकादमी के प्रलेखन एकक ने वीडियो, टेप रिकॉर्डिंग और स्टिल फोटोग्राफी पर उत्सव का व्यापक प्रलेखन किया। अकादमी के संग्रहालय के लिए कुछ वाद्य-यंत्र भी खरीदे गए।

-0-

सांस्कृतिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता

अकादमी वर्ष 1983-84 के दौरान संगीत, नृत्य तथा नाटक के क्षेत्रों में कार्यरत कई चुनी हुई संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करती रही। अनुदान समिति की सिफारिश पर संगीत नाटक अकादमी के अधिशासी मंडल ने पहली बार वर्ष 1982-83 से शुरू होने वाले पांच वर्षीय ब्लाक के लिए नियत दरों पर अनुदान देने के हेतु 74 संस्थाओं का पता लगाया। संस्थाओं के नाम परिशिष्ट-IV में दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त ये अनावर्ती तदर्थ अनुदान 267 सांस्कृतिक संस्थाओं को मंजूर किए गए। इन संस्थाओं की सूची परिशिष्ट-II में दी गई है। वर्ष 1983-84 के दौरान योजनागत एवं योजनेतर शीर्षों के अन्तर्गत संस्थाओं को कुल रु0 8,75,602 की राशि दी गई। उपर्युक्त अनुदान के अतिरिक्त परिशिष्ट-V में प्रदत्त सूचीगत विशिष्ट मदों पर व्यय करने के लिए विशेषज्ञों और क्रीड़ा संगठनों को अध्यक्ष / उपाध्यक्ष की विवेकाधीन निधि में से रु0 8000 अनुदान दिया गया।

-0-

प्रकाशन

इन कलाओं से संबंधित जानकारी के प्रसार के उद्देश्य से संगीत नृत्य और नाटक पर साहित्य का प्रकाशन अकादमी के संवैधानिक दायित्वों में से एक है। विभिन्न सीमितताओं को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित प्रकाशन कार्यक्रम शुरु किया गया जिसमें एक त्रैमासिक पत्रिका 'संगीत नाटक' और एक 'न्यूज बुलेटिन' का प्रकाशन शामिल है। प्रकाशन अनुभाग प्रभारी अधिकारी सहायक सचिव होता है। श्री बलराज वर्मा पिछले दो वर्षों में सहायक सचिव (प्रकाशन) के पद पर कार्य कर रहे थे। जुलाई, 1983 में उनकी सेवा-निवृति से पूर्व, डा० सुनील कोठारी को जून, 1983 में इस पद पर नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम दो रूपों में लागू किया जाता है। एक जिसमें अकादमी स्वयं प्रकाशन कार्य करवाती है और दूसरे के अन्तर्गत वह निर्धारित नियमों के अधीन व्यक्तियों / संस्थाओं को प्रदर्शन कलाओं पर चुनींदा साहित्य (पत्रिकाओं सहित) निकालने के लिए वित्तीय सहायता देती है।

सभी प्रकाशन परियोजनाओं की जांच सर्वप्रथम अधिशासी मंडल द्वारा गठित विशेषज्ञों की समिति, अर्थात् प्रकाशन समिति करती है। यह समिति प्रकाशन अनुदान के लिए प्राप्त सभी आवेदन-पत्रों की भी पूरी जांच करती है और चुनींदा प्रकाशनों के लिए सहायता की सिफारिश करती है। समिति के निर्णयों को तभी लागू किया जाता है जब अधिशासी मंडल की स्वीकृति प्राप्त कर ली जाती है।

वर्तमान प्रकाशन समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं :-

1. श्री पी० वी० कृष्णमूर्ति — अध्यक्ष
2. डा० एम० नागभूषण शर्मा — सदस्य
3. श्री कोमल कोठारी — सदस्य
4. डा० अशोक रानाडे — सदस्य
5. डा० (श्रीमती) कुमुद मेहता — सदस्य
6. श्री राहुल बारपुते — सदस्य
7. श्री समीक बनर्जी — सदस्य

प्रकाशनों के लिए वित्तीय सहायता

आलोच्य अवधि के दौरान अकादमी ने निम्नलिखित अनुदान मंजूर किए :-

1.	रु० 2,000.00	इंडियन म्यूजिकोलाजिकल सोसाइटी, बड़ौदा को-उसके जर्नल के प्रकाशन के लिए
2.	रु० 3,000.00	कला विकास केंद्र, कटक को - उसके जर्नल के प्रकाशन के लिए
3.	रु० 2,000.00	इंडियन एंड वर्ल्ड आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स, नई दिल्ली के सम्पादक को - समाचार पत्रिका के प्रकाशन के लिए
4.	रु० 5,000.00	फोकलोर, कलकत्ता के सम्पादक को - इस जर्नल के प्रकाशन के लिए
5.	रु० 1,500.00	नक्षत्र इन्टरनैशनल, लखनऊ को - 'रंग भारती' के प्रकाशन के लिए

6.	रु0 3,000.00	त्याग भारती, नेलकोट को - 'इंडियन म्यूजिक जर्नल' के प्रकाशन के लिए
7.	रु0 2,000.00	ए0 बी0 जी0 महाविद्यालय मंडल, बम्बई को - उनके 'संगीत कला विहार' जर्नल के प्रकाशन के लिए
8.	रु0 5,000.00	अमारा रंजना देवी, इम्फाल को - नट संक्रांति के प्रकाशन के लिए
9.	रु0 2,000.00	विश्व वीणा, कलकत्ता के सम्पादक को - इसके प्रकाशन के लिए
10.	रु0 2,000.00	पूना भारत गान समाज, पुणे को 'राधा गोविंद संगीत सार' पुस्तक के पुनर्मुद्रण के लिए
11.	रु0 3,000.00	म्यूजिक अकादमी, मद्रास को - उसके जर्नल के प्रकाशन के लिए
12.	रु0 7,000.00	म्यूजिक अकादमी, मद्रास को - राग निधि भाग III के प्रकाशन के लिए ।

अकादमी ने आर्थिक सहायता के रूप में निम्नलिखित प्रकाशनों की प्रतियां खरीदीं :-

1. 'मोहिनी अट्टम' लेखक श्री जा0 वेणु - 30 प्रतियां
2. 'ठुमरी का उत्पत्ति, विकास और शैलियां' लेखक डा0 एस0 शुक्ल - 50 प्रतियां

अकादमी के प्रकाशन

वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रकाशन निकाले गए :-

1) भावना पर मोनोग्राफ - डॉ. प्रो० महेश्वर नियोग

2) पुष्टि संगीत प्रकाशन - लेखक स्वर्गीय श्री वी० पी० भट्ट

3) अयोध्या काण्ड आफ तालपत्र कुथु - लेखक श्री के० एल० कृष्णन कुट्टी पुलवार

मुद्रणाधीन प्रकाशन

निम्नलिखित प्रकाशन प्रेस में हैं :-

1) 'कुथम्बलम' - लेखक श्री गोवर्धन पांचाल

2) हूज हू आफ इंडियन म्युजिशियन्स - दूसरा संस्करण

प्रस्तावित प्रकाशन

आगामी वर्ष में जिन प्रकाशनों को निकाले जाने का प्रस्ताव है वे नीचे दिए गए हैं :-

1) शैडो पपेट्स आफ आंध्र - लेखक डा० एम० नागभूषण शर्मा

2) मराठी संगीत - लेखक डा० अशोक रानाडे

3) बायोग्राफी आफ उस्ताद फैयाज़ खान - लेखक दीपाली नाग

जर्नल

अकादमी प्रदर्शन कलाओं पर 'संगीत नाटक' नामक त्रैमासिक जर्नल 1965 से प्रकाशित करता रहा है। धन की कमी के बावजूद इस बात के

पूरे प्रयत्न किए गए हैं कि डिजाइन और समाविष्ट सामग्री - दोनों दृष्टियों से पत्रिका का उच्च स्तर बनाए रखा जाए। श्री बलराज वर्मा जिन्होंने पिछले दो वर्षों में पत्रिका का सम्पादन किया, के स्थान पर जून 1983 में डा० सुनील कोठारी इसके सम्पादक नियुक्त हुए। पत्रिका आर्थिक सहायता प्राप्त प्रकाशन है और देश में इसका वार्षिक चंदा रु० 15.00 और विदेशी ग्राहकों के लिए 7.50 डालर है। वर्ष के दौरान संगीत नाटक पत्रिका के 64 से 67 तक के अंक प्रकाशित किए गए।

पत्रिका के साथ साथ अकादमी अपने कार्यकलापों की जानकारी देने के लिए एक त्रैमासिक न्यूज बुलेटिन भी निकालती है। यह बुलेटिन प्रदर्शन-कलाओं में रुचि रखने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को निःशुल्क वितरित की जाती है।

-○-

प्रलेखन और प्रसार

आलोच्य अवधि के दौरान अकादमी के प्रलेखन एकक ने अपने अभिलेखागार में प्रदर्शन कलाओं के विभिन्न पदों की ध्वनि-रिकार्डिंग, फिल्मों, रंगीन स्लाइडों, फोटोग्राफों (ब्लैक एंड व्हाइट और रंगीन) और वीडियो रिकार्डिंग द्वारा प्रलेखन करके वृद्धि की। इसके अतिरिक्त अकादमी ने बाहरी एजेंसियों से ध्वनि रिकार्डिंग और वीडियो रिकार्डिंग की प्रतियां प्राप्त करके अपने अभिलेखागार में वृद्धि की। इस अवधि के दौरान अभिलेखागारीय सामग्री को पुन: व्यवस्थित करने और उन्हें उपयोगी ढंग से मिलान करने पर भी बल दिया गया। परिणामस्वरूप अकादमी का अभिलेखागार प्रदर्शन कलाओं के विद्वानों और छात्रों के लिए अधिक उपयोगी और समर्थ हो गया है। अकादमी की वीडियो रिकार्डिंग के संग्रह में वृद्धि करने के लिए कई वीडियो रिकार्डिंग का सम्पादन किया गया।

अकादमी ने बाहरी एजेंसियों और व्यक्तियों से निम्नलिखित सामग्री प्राप्त की :-

1) मणिपुर विख्यात कलाकारों के अलंकरण समारोह से संबंधित वीडियो रिकार्डिंग दिल्ली दूरदर्शन से प्राप्त की;

2) डा० एस० पिनकमणि द्वारा प्रस्तुत दीक्षितार के पदों और अन्नामाचार्य के कृतियों की साढ़े चार घंटों की रिकार्डिंग उपहार के रूप में प्रो० वी० एन० एस० राघवन से प्राप्त हुई;

3) पंडित रवि शंकर से "लर्निंग इंडियन म्यूजिक" नामक कैसेट;

4) केसर बाई केरकर, बड़े गुलाम अली खाँ, निवृत्तिबुआ सरनायक, विजया जाधव, उस्ताद फैयाज खाँ की दुर्लभ और बहुमूल्य रिकार्डिंग की प्रतियाँ श्री सरबरी राय चौधरी से साभार प्राप्त हुईं।

निम्नलिखित कार्यक्रमों के ब्लैक एंड व्हाइट और रंगीन चित्र खींचे गए :-

1) विजय तेंदुलकर का 'चेहरे' और
2) अवान बाना का युरीथमी;
3) श्री एम० के० के० नायर द्वारा प्रस्तुत 'कथकली' पर प्रदर्शन व्याख्यान और कथकली में 'डा० फास्ट' नाटक;
4) युनाइटेड किंगडम का ग्रेआ थियेटर कम्पनी द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए प्रस्तुत 'कास्टिंग आउट'।

'गुरु अमुबी सिंह' पर निकाले गए अकादमी के जर्नल के विशेषांक के लिए तैयार किए गए लगभग 50 छायाचित्र।

प्रलेखन विभाग ने गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए लोक और आदिवासी नृत्यों, कालका बिंदादीन कत्थक उत्सव, भोपाल में सम्पन्न आदिवासी लोक नृत्य उत्सव; रानी करना द्वारा प्रस्तुत कत्थक नृत्य तथा कलानिधि नारायण द्वारा प्रस्तुत 'अभिनय' को फोटोग्राफों और वीडियो रिकार्डिंग्स के माध्यम से विस्तार से रिकार्ड किया।

इस वर्ष के दौरान अकादमी स्टूडियो में निम्नलिखित व्यक्तियों के (ऑडियो/वीडियो, छायाचित्र) रिकार्ड किए गए :-

1.	श्री यूनस हुसैन खां	आगरा घराना का हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन
2.	उस्ताद निसार हुसैन खां	"सहसवान रामपुर घराना" का हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन
3.	पाकिस्तान के उस्ताद सलामत अली खां और शराफत अली खां	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन
4.	पंडित माधव प्रसाद मिश्र	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन
5.	उस्ताद जिया मोहिउद्दीन डागर	रुद्र वीणा
6.	जफर हुसैन तथा पार्टी	कव्वाली
7.	श्री सी० आर० व्यास	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन
8.	श्री उमायालपुरम के० शिवरामन	मृदंगम्
9.	मास्टर रवि किरण	गोट्टुवाद्यम्
10.	श्री डॉ० के० जयरामन	कर्नाटक शास्त्रीय गायन
11.	श्री पालघाट आर० रघु	मृदंगम्
12.	श्री सिद्दीक मंगानियार और पार्टी	राजस्थान के लोक गीत
13.	श्री धर्मिक लाल पंड्या	"आख्यान"
14.	मास्टर अरविंद कुमार	"रामायण"
15.	श्रीमती जमुना बाई वायकर	"लावणी"
16.	श्री पुनाराम निषाद	"पांडवानी"
17.	श्री ललित चन्द्र ओझा	"ओझापाली और देवधनी"
18.	श्री चम्पाकुलम पाचु पिल्लै	"कथकली"
19.	श्री गोड़ किशोर शर्मा	"थांग-टा"

20. सुमन भगत — "मोंड पायेर"
21. श्रीमती मेहर कान्ट्रैक्टर — काग़ज़ कठपुतली नाटक "फ़ाख्ता और मौलाब"
22. के० एन० पानिकर द्वारा निर्देशित मलयालम नाटक — "करीम कुट्टी"
23. उमाशंकर मिश्र — "सितार"
25. पैनल चर्चा — "हंसध्वनि"

इस वर्ष के दौरान वीडियो पर रिकार्ड किए गए कुछ महत्वपूर्ण साक्षात्कार निम्नलिखित हैं :-

नाटक लेखन के लिए 1983 के पुरस्कार विजेता श्री चन्द्र शेखर कम्बार - श्री प्रसन्ना द्वारा लिया गया साक्षात्कार

निर्देशन के लिए 1983 के पुरस्कार विजेता श्री के० एन० पानिकर - श्री एन० सी० जैन द्वारा लिया गया साक्षात्कार

लंदन स्थित विख्यात नर्तक और नृत्य रचनाकार श्री राम गोपाल - डा० सुनील कोठारी द्वारा लिया गया साक्षात्कार ।

आलोच्य अवधि के दौरान अकादमी के अभिलेखागार में लगभग 75 घंटे की टेप रिकार्डिंग, 13 घंटे की वीडियो रिकार्डिंग, 1356 छाया चित्र और 220 रंगीन चित्रों की वृद्धि की गई ;

इस अवधि के दौरान फोटो एकक ने फोटुओं का रंगीन संसाधन और प्रिंटिंग शुरु किया । लगभग 1286 रंगीन छायाचित्र और 355 रंगीन

स्लाइडें अभिलेखागार में शामिल की गईं। हाल में ही फोटो एकक ने महत्वपूर्ण दस्तावेजों की तुरंत प्रतियां तैयार करने के लिए ऑटोमेटिक प्लेन पेपर कापिंग मशीन खरीदी है।

तकनीकी उपस्कर

वर्ष के दौरान अकादमी ने अपने तकनीकी अनुभाग के लिए कुछ अत्यन्त उन्नत उपस्कर खरीदे। इनमें विश्व के सबसे अच्छे स्टिल कैमरों में से एक हैसल ब्लेड 500 सी और रंगीन संसाधन और प्रिंटिंग उपस्कर शामिल हैं। अकादमी ने बड़े स्क्रीन के लिए सोनी वीडियो प्रोजेक्शन सिस्टम के० पी० -721 - पी एस और अधिक दर्शकों द्वारा वीडियो रिकार्डिंग्स देखने के लिए 72 इंच का प्रोजेक्शन आयात किए।

श्रवण कक्ष के साउंड सिस्टम में फिलिप्स का नया हेडफोन सिस्टम लगा दिया गया है जिसके माध्यम से आठ व्यक्ति एक साथ संगीत सुन सकते हैं।

पुस्तकालय

पुस्तकालय के संग्रह में प्रदर्शन-कलाओं (नृत्य, नाटक, रंगमंच, संगीत) और सहायक विषयों (कला, फिल्म, फोटोग्राफी तथा कठपुतली कला) पर पुस्तकें शामिल हैं। सहायक संदर्भ अनुभाग बनाने के लिए भारतीय कला और संस्कृति, सामाजिक अध्ययन, समाजशास्त्र, सामाजिक नृविज्ञान, लोकवार्ता, कबायली अध्ययन, भारतीय धर्म, महाकाव्य आदि से संबंधित पुस्तकें खरीदी गईं।

पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों को प्रात: 10 बजे से सायं 7.30 तक खुला रहता है। वर्ष 1983-84 के दौरान बड़ी संख्या में छात्रों और विद्वानों ने पुस्तकालय से लाभ उठाया जिनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के संगीत के स्नातकोत्तर छात्र, पत्रकार और प्रदर्शन-कलाओं और सामाजिक अध्ययन के शोधकर्ता शामिल हैं।

वर्ष 1983-84 के दौरान पुस्तकालय में 271 और पुस्तकों की वृद्धि हुई। इस प्रकार पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या 15000 से अधिक हो गई। पत्रिकाओं के लिए एक अलग अनुभाग है जहां संबंधित विषयों पर देशी और विदेशी दोनों प्रकार की पत्रिकाएं उपलब्ध हैं।

डिस्क लाइब्रेरी

अकादमी द्वारा दी गई ऑडियो श्रवण सुविधा का एक महत्वपूर्ण भाग डिस्क लाइब्रेरी है जो उपयोग के लिए प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से सायं 7.30 तक खुली रहती है। इस अवधि के दौरान श्रवण कक्ष के संगीत संग्रह में 165 डिस्क और 69 कैसेटों की वृद्धि की गई। यूनेस्को, विदेशी दूतावासों, संस्थानों और सांस्कृतिक प्रतिनिधि मंडलों से उपहार रूप में प्राप्त डिस्क आदि श्रवण कक्ष में रखे गए संग्रह के भाग हैं।

-0-

संग्रहालय

अकादमी के संग्रहालय में दुर्लभ और पुराने तथा आजकल उपयोग में आने वाले संगीत वाद्ययंत्रों, कठपुतलियों, मुखौटों तथा प्रदर्शन कलाओं में काम में आने वाली अन्य वस्तुओं का विशाल संग्रह है। वर्ष के दौरान संग्रहालय में सुरक्षित रखने के लिए कई दुर्लभ वाद्ययंत्रों और प्रदर्शन-कलाओं की वस्तुओं को प्राप्त किया गया।

देश के विभिन्न भागों से छात्रों के समूह और कई विदेशी विद्वान और छात्र संग्रहालय देखने आए। उन्हें संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाएँ दिखाई गईं और संग्रह का परिचय दिया गया। कई शोधकर्ताओं ने भी अपनी अध्ययन परियोजना के अधीन संग्रहालय को देखा।

अकादमी संग्रहालय के बाहर प्रदर्शन के लिए संग्रहालय की कई प्रदर्श वस्तुएं सुप्रसिद्ध संस्थाओं को मांगने पर दी गईं।

-0-

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल जो संगीत नाटक अकादमी की संघटक इकाई है, देश में मणिपुर नृत्य के प्रशिक्षण के लिए प्रमुख संस्था है। यह मणिपुर नृत्य और सम्बद्ध कलाओं में कई व्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चला रही है।

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी का प्रबंध स्थानीय सलाहकार समिति के हाथ में है। यह समिति स्तर को बनाए रखने के संबंध में नीति संबंधी सभी मामलों पर सलाह देती है और अकादमी के लिए कार्यक्रम और योजनाएं तैयार करती है।

स्थानीय सलाहकार समिति में निम्नलिखित सदस्य हैं :-

1. श्री एस० एम० एच० बर्नी — अध्यक्ष
   गवर्नर, मणिपुर
2. प्रो० एल० नाउआंत सिंह — सदस्य
   निदेशक, शिक्षा कल्याण
   कला और संस्कृति, मणिपुर
3. श्री के० एन० धवन, सचिव — सदस्य
   संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली
4. श्री एन० एच० चौधरी, सचिव — सदस्य
   (शिक्षा) मणिपुर सरकार
5. प्रो० एल० मिनाकेतन सिंह, — सदस्य
   उरीपोक

6. प्रो मंगथोइ थाइबे, डी० एम० — सदस्य
कालेज आफ आर्ट्स एंड कामर्स,
इम्फाल

7. श्री बाबू सिंह, प्रिंसिपल — सदस्य
जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी

8. श्री आर० के० अचोबा सिंह — सदस्य
अध्यापक प्रतिनिधि
जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी

9. श्री के० एच० प्रकाश सिंह — सदस्य
सचिव, जवाहर लाल नेहरू मणिपुर
नृत्य अकादमी

संगीत नाटक अकादमी के सचिव श्री के० एस० कोठारी को स्थानीय सलाहकार समिति में 1-12-83 से संगीत नाटक अकादमी के प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया।

दाखिल छात्रों की कुल संख्या 339 थी और शिक्षण स्टाफ में 35 सदस्य थे।

कार्यक्रम :

वर्ष 1983 के दौरान अकादमी के 12 कलाकारों के एक दल ने चीन और कोरिया का दौरा किया। दौरे को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने प्रायोजित किया।

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी के प्रस्तुति एकक के कलाकारों ने आकाशवाणी, नई दिल्ली के महानिदेशक के निमंत्रण पर आकाशवाणी पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर 31 मार्च, 1983 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'वसंतरास' प्रस्तुत किया।

अकादमी के प्रस्तुति एकक ने, शान्तिनिकेतन स्थित विश्वभारती में रवीन्द्र वर्षगांठ समारोह के दौरान 15 और 16 अप्रैल, 1983 को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरे का प्रायोजन मणिपुर राज्य कला अकादमी, इम्फाल द्वारा किया गया।

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी ने श्रीधाम नवद्वीप, पश्चिम बंगाल में 31 अक्तूबर, 1983 को आयोजित राजर्षि भाग्यचन्द्र महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर कुंज रास प्रस्तुत किया।

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी के छात्रों ने 10-6-83 को मणिपुर के मोइरंग स्थित थांगजिंग मंदिर में आयोजित थांगजिंग हराओबा उत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

वर्ष के दौरान इम्फाल में विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों पर बहुत से कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। एक नए नृत्य-नाटक का उद्घाटन जून, 1983 में मणिपुर के गवर्नर श्री एस० एम० एच० बर्नी द्वारा एक समारोह में किया गया। इसकी अध्यक्षता संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष डा० नारायण मेनन ने की। अकादमी के छात्रों ने तमिलनाडु सांस्कृतिक मंडली के सम्मान में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसका आयोजन मणिपुर सरकार के समाज कल्याण, कला और संस्कृति के निदेशक ने किया। राजर्षि भाग्य चन्द्र की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में प्रदर्शन एकक ने एक विशेष नृत्य नाटक 'राजर्षि भाग्य चन्द्र' प्रस्तुत किया। फरवरी 1984

में अकादमी ने वन्य पशु संरक्षण की विषयवस्तु पर आधारित अपने नए नृत्य नाटक "केबुल लांजाओ" शुरू किया। अकादमी की प्रस्तुति एकक पूरे वर्ष इम्फाल में और बाहर भी विभिन्न अवसरों पर नियमित रूप से कार्यक्रम प्रस्तुत करता रहा।

नई सुविधाएं

वर्ष के दौरान भवन और सभागार की व्यापक मरम्मत और नवीकरण का काम शुरू किया गया और कई नई सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

स्थानीय सलाहकार समिति की बैठक

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी की नवगठित स्थानीय सलाहकार समिति की पहली बैठक 7 मार्च 1984 को मणिपुर के गवर्नर महामहिम श्री एम0 एम0 एच0 बर्नी की अध्यक्षता में हुई।

-0

कत्थक केंद्र

कत्थक केन्द्र देश में एक प्रमुख नृत्य शिक्षण संगठन है । इसकी स्थापना वर्ष 1955 में हुई थी और इसका पुनर्गठन वर्ष 1964 में उस समय किया गया था जब केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी ने इसका वित्तीय उत्तरदायित्व अपने हाथ में लिया और इसके प्रबन्ध को भारतीय कला केन्द्र को सौंप दिया । वर्ष 1969 में यह संगीत नाटक अकादमी का घटक एकक बन गया ।

कत्थक केन्द्र, कत्थक नृत्य और अन्य संबद्ध विषयों यथा - गायन, पखावज और तबला के बहुत से, व्यापक पाठ्यक्रम चला रहा है । पाठ्यक्रम की आयोजना इस प्रकार की गई है कि कत्थक में उच्चतम व्यावसायिक स्तर और परिपक्वता वाले कलाकार तैयार किए जा सकें । कत्थक केन्द्र में एक प्रस्तुति एकक भी है जिसमें उच्च प्रशिक्षित कलाकार रखे गए हैं जिससे कि प्रयोगात्मक कार्य के जरिए कत्थक नृत्य के रंग-पटल और तकनीक को समृद्ध किया जा सके । केन्द्र के अध्यापक वर्ग में, उन विभिन्न विषयों के सुविख्यात शिक्षक हैं जिनमें प्रशिक्षण दिया जाता है ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

कुल मिलाकर देखा जाए तो केन्द्र के प्रशिक्षण कार्यक्रम काफी व्यापक है । 3 वर्षों की अवधि में चलाए जाने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों के जरिए छात्र आधार पाठ्यक्रम (स्कूल जाने वाले, गैर व्यावसायिक छात्रों के लिए) से ऊपर पेशेवर प्रशिक्षण के उच्चतम स्तर तक पाठ्यक्रम पूरे कर सकते हैं । अंशकालिक गैर-पेशेवर पाठ्यक्रम इस प्रकार तैयार किए गए हैं कि स्नातक स्तर के शैक्षिक अध्ययन के साथ साथ केन्द्र में अंशकालिक

नृत्य प्रशिक्षण भी प्राप्त किया जा सकता है। केन्द्र की पाठ्यचर्या बुनियादी प्रशिक्षण पर अत्यधिक बल देती है जिसका उद्देश्य नृत्य में व्यावसायिक वृत्ति के लिए छात्रों को तैयार करने और व्यापक सर्जनात्मक विकास के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना है। प्रणाली के साथ-साथ छात्र/प्रशिक्षण कार्यक्रम में सामान्यतः केन्द्र और राज्य सरकारों और केन्द्र सहित अधिकारी एजेंसियों द्वारा छात्रवृत्तियां और निशुल्क शिक्षण प्रदान किया जाता है। केन्द्र प्रत्येक वर्ष प्रवर पूर्णकालिक नृत्य पाठ्यक्रमों में तथा अवर अंशकालिक पाठ्यक्रम - दोनों में छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। छात्रवृत्ति योजना के जरिए और संगीतकारों एवं नर्तकों के पेशेवर परिवारों के बच्चों को आवश्यक प्रोत्साहन दिया जाता है ताकि वे इस पेशे में बने रहें।

पिछले वर्षों में कत्थक केन्द्र ने बहुत से ऐसे उच्चतम पेशेवर उत्कृष्ट नर्तकों को प्रशिक्षित किया है जिनका योगदान कत्थक क्षेत्र में व्यापक रूप से जाना-माना रहा है।

शिक्षण संकाय

श्री बिरजु महाराज	कत्थक गुरु
श्री कुन्दन लाल गंगानी	कत्थक गुरु
श्री मुन्नु लाल शुक्ल	कत्थक शिक्षक
श्रीमती रेबा विद्यार्थी	कत्थक शिक्षक
श्री टी० आर० शर्मा	पखावज शिक्षक
श्री माणिक प्रसाद मिश्र	तबला शिक्षक
डा० हरेन राय चौधरी	संगीत शिक्षक
श्रीमती भारती गुप्ता	कत्थक शिक्षक/ नर्तक

श्री शिवजी मिश्र	कत्थक शिक्षक/नर्तक
श्री शंभुनाथ मिश्र	योग शिक्षक

प्रबन्ध तथा प्रशासनिक गठन

केन्द्र का प्रबन्ध संगीत नाटक अकादमी के अधिकारी मंडल के हाथ में है, जिसकी सहायता के लिए सलाहकार समिति, केन्द्र के निदेशक, गुरु और शिक्षक होते हैं।

प्रशिक्षण तथा स्तर बनाए रखने से संबंधित सभी मामलों की नीति पर सलाहकार समिति से परामर्श किया जाता है और वह केंद्र के लिए कार्यक्रम, स्कीमें तथा परियोजनाएं तैयार करती है।

संगीत नाटक अकादमी ने पिछली समिति के स्थान पर एक नई सलाहकार समिति का गठन किया जिसमें निम्न सदस्य हैं :-

श्री पी० वी० कृष्णामूर्ति	अध्यक्ष
श्री मोहनराव कल्याणपुरकर	सदस्य
श्रीमती रोहिणी भाटे	सदस्य
श्रीमती दमयन्ती जोशी	सदस्य
प्रो० एस० के० सक्सेना	सदस्य
श्रीमती माया नटराजन	सदस्य
श्री के० एस० कोठारी	सदस्य/सचिव संगीत नाटक अकादमी
श्री जीवन पानी	सदस्य/निदेशक, कत्थक केंद्र

केन्द्र के निदेशक संस्थान के प्रशासनिक प्रमुख हैं। दिसम्बर 1983 में अकादमी के सहायक सचिव श्री जीवन पानी ने निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला।

अध्ययन पाठ्यक्रम

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण पाने वाले छात्रों की संख्या इस प्रकार है :

(क) पंचवर्षीय अवर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम - 62 छात्र
(ख) पंचवर्षीय प्रवर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम - 12 ,,
(ग) तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम - [illegible] ,,
(घ) दो वर्षीय विशेषज्ञता पाठ्यक्रम - 11 ,,
(ङ) मास्टर पाठ्यक्रम - - 1 ,,

वर्ष के दौरान विशेष प्रशिक्षण पा रहे छात्रों की संख्या इस प्रकार है :-

(क) गायन - 3 छात्र
(ख) पखावज - 2 छात्र

तबला पखावज और गायन की कक्षाएं उन नृत्य प्रशिक्षार्थियों के लिए भी चलाई गई जिन्होंने इन विषयों को वैकल्पिक रूप में लिया था।

कथक केन्द्र ने वार्षिक परीक्षाएं 16 मई, 1983 में लीं। परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या एवं विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण घोषित छात्रों की संख्या इस प्रकार है :

पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
दो वर्षीय विशेषज्ञता (प्रथम वर्ष)	2	2
(द्वितीय वर्ष)	7	7

पाठ्यक्रम		परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
तीन-वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	(प्रथम वर्ष)	4	4
	(द्वितीय वर्ष)	8	8
	(तृतीय वर्ष)	6	6
अल्पकालीन पाठ्यक्रम	(प्रथम वर्ष)	5	5
	(तृतीय वर्ष)	4	4
	(चतुर्थ वर्ष)	1	1
अवर सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम	(प्रथम वर्ष)	6	6
	(द्वितीय वर्ष)	6	5
	(तृतीय वर्ष)	13	11
	(चतुर्थ वर्ष)	9	7
	(पंचम वर्ष	5	5
		76	71

24 से 26 मई, 1983 को इंडिया इन्टरनेशनल केन्द्र, नई दिल्ली में वार्षिक परीक्षा के भाग के रूप में दीक्षान्त उत्सव मनाया गया जिसमें केन्द्र के अंतिम वर्ष के पन्द्रह वरिष्ठ प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया ।

सत्र 16 जुलाई 1983 से प्रारम्भ हुआ और विभिन्न पाठ्यक्रमों में 70 प्रशिक्षार्थियों को दाखिला दिया गया ।

डिप्लोमा तथा विशेषज्ञता पाठ्यक्रम के वरिष्ठ छात्रों के साथ 25-11-83 से 10-12-83 तक 15 दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए सर्वाधिक अनुभवी एवं उत्कृष्ट गुरु श्री मोहन राव कल्याणपुरकर को अतिथि प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रस्तुति एकक

आलोच्य वर्ष के दौरान केन्द्र के शिक्षकों तथा गुरुओं ने ग्यारह संक्षिप्त नृत्यों की रचना की जैसे स्मरणांजलि, मधुलुंठिता, पारम्परिक-विचित्रा, क्रौंच-वध, लतिका-संचार, त्रिनयनी, पंच-महारिका, सूर्य-संध्या संगम, नज़राना, त्रि-सप्तिका। गत जयन्ती समारोह में उन्हें प्रस्तुत किया गया जिनमें से कुछ की प्रेस तथा जन सामान्य ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

केन्द्र ने दिल्ली तथा बाहर 23 प्रदर्शन किए जिनमें से 14 प्रायोजित कार्यक्रम थे। निम्नलिखित विशिष्ट अवसरों पर केन्द्र ने अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए :

(1) 'चोगम' सभा के अवसर पर

(2) रानी एलिज़बेथ की राजकीय यात्रा के अवसर पर

(3) दिल्ली में तृतीय विश्व हिन्दी सम्मेलन के अवसर पर

(4) वृन्दावन में ध्रुपद और धमार सम्मेलन के अवसर पर

महाराज कालका बिन्दादीन कत्थक महोत्सव 1984

केन्द्र ने अपना वार्षिक चार दिवसीय महाराज कालका बिंदादीन कत्थक महोत्सव 8 फरवरी से 11 फरवरी, 1984 तक आयोजित किया।

-0-

बजट तथा लेखे

अकादमी अपने योजनागत और योजनेतर कार्यकलापों के व्यय को पूरा करने के लिए संस्कृति विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से सहायता अनुदान प्राप्त करती है। वर्ष 1983-84 के लिए योजनेतर और योजनागत व्यय के लिए अकादमी की कुल बजट व्यवस्था इस प्रकार थी :-

	बजट अनुमान	संशोधित बजट अनुमान
	रु0	रु0
योजनेतर	42,00,000	46,00,000
योजनागत	35,36,000	40,00,000

संगीत नाटक अकादमी और उसके घटक एककों यथा - जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल तथा कत्थक केंद्र, नई दिल्ली के वार्षिक प्रकाशित एवं परीक्षित लेखाओं का समेकित विवरण परिशिष्ट-VI, VII और VIII में दिया गया है जिसमें वर्ष 1983-84 का (i) प्राप्ति तथा अदायगी लेखा (ii) आय-व्यय लेखा (iii) तुलनपत्र शामिल है।

परिशिष्ट-1

संगीत नाटक अकादमी

की महापरिषद् के सदस्यों की सूची

1. डा० वी० के० नारायण मेनन,
अध्यक्ष,
संगीत नाटक अकादमी,
नई दिल्ली

2. श्री पी० वी० कृष्णामूर्ति,
उपाध्यक्ष,
संगीत नाटक अकादमी,
46, केशव पेरूमलपुरम,
ग्रीनवेज रोड,
मद्रास-600028.

3. श्री मनमोहन सिंह,
वित्तीय सलाहकार,
शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

भारत सरकार के पांच नामिती

4. पंडित रवि शंकर,
95, लोदी रोड,
नई दिल्ली

5. श्री कोमल कोठारी,
रूपायन संस्थान,
गा० बोरुंडा,
मौजा पीपर,
जि० जोधपुर,
पिन - 342604

6. श्री अशोक वाजपेयी,
सचिव,
मध्यप्रदेश कला परिषद्,
टैगोर मार्ग,
ललित कला भवन,
भोपाल-462003.

7. श्रीमती उषा भगत,
विशेष ड्यूटी अधिकारी,
प्रधान मंत्री सचिवालय,
साउथ ब्लाक,
नई दिल्ली

8. श्री दामू झावेरी,
अवैतनिक सचिव,
इंडियन नेशनल थियेटर,
19 / 21, हमाम स्ट्रीट,
बंबई-400023.

प्रत्येक राज्य / संघ राज्य क्षेत्रों से
एक प्रतिनिधि

9. अंदमान तथा निकोबार द्वीप समूह

डा० एस० एन० कमालकर,
सूट नं० 12, जा० ओ० मेस,
अटटंटा प्वाइंट,
पोर्टब्लेयर 744104

10. आंध्र प्रदेश

डा० मोदाली नागभूषण शर्मा,
अध्यक्ष, रंगमंच कला विभाग,
उस्मानिया विश्वविद्यालय,
निजाम कॉलेज कैम्पस,
बशीरबाग,
हैदराबाद-500001.

11. अरुणाचल प्रदेश

—

12. असम

श्री आनंद मोहन भगवती,
उपनिदेशक,
सांस्कृतिक मामले,
असम सरकार,
रवींद्र भवन,
गौहाटी-1.

13. बिहार

श्री चितू टुडु,
उपनिदेशक,
जनसंपर्क विभाग
भागलपुर (बिहार)

14. चंडीगढ़ (संघ राज्य क्षेत्र)

श्री रमेश चंद्र गुप्ता,
निदेशक, जन संपर्क
डीलक्स बिल्डिंग सेंटर
चंडीगढ़

15. दिल्ली

श्री एम० एस० वर्मा,
सचिव (शिक्षा)
दिल्ली प्रशासन
5 श्यामनाथ मार्ग,
दिल्ली-110054.

16. दादर तथा नगर हवेली

—

17. गोवा, दमन और दीव

श्री दामू केंकरे,
सदस्य सचिव,
गोवा, दमन और दीव,
कला अकादमी,
पणजी (गोवा)

18. गुजरात

श्रीमती मृणालिनी साराभाई,
चिदाम्बरम्,
उस्मानपुरा,
अहमदाबाद-380013.

19. हरयाणा

श्रीमती किरण अग्रवाल, आई ए एस
आयुक्त तथा सचिव,
हरयाणा सरकार,
सांस्कृतिक मामलों का विभाग,
चंडीगढ़

20. जम्मू-व-कश्मीर

श्री प्राण किशोर,
उपमुख्य निर्माता,
रेडियो कश्मीर,
श्रीनगर

21. हिमाचल प्रदेश

—

22. कर्नाटक

श्री एन० एन० कथावी,
निदेशक,
कन्नड एंड कल्चर,
कर्नाटक सरकार,
14 / 3 ए निरुपथंग रोड,
बंगलौर-560001

23. केरल

श्री पी० भास्करन,
अध्यक्ष,
केरल संगीत नाटक अकादमी,
त्रिचूर-680001.

34. लक्षद्वीप

श्री उमेश सैगल,
लक्षद्वीप प्रशासन,
विलिंगडन आइलैंड,
कोचीन

35. मध्य प्रदेश

श्री राहुल बारपुते,
संपादक 'नई दुनिया',
केसरबाग रोड,
इंदौर (म0 प्र0)

36. महाराष्ट्र

श्रीमती विजय फारुख मेहता,
15, अशोक एपार्टमेंट्स,
नेपियन सी,
बंबई-400006

37. मणिपुर

श्री एल0 दामोदर सिंह,
सचिव,
मणिपुर राज्य कला अकादमी,
इम्फाल-795001

38. मेघालय

श्री बेरीवेल कंडियार,
मार्फत श्री डी0 एल0 खर्बई,
अवर सचिव,
मेघालय सरकार,
शिक्षा युवक तथा खेलकूद विभाग,
शिलांग

39. मिजोरम

श्री सा0 लाइटंगा,
वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी,
ट्राइबल रिसर्च इन्स्टीट्यूट,
एजावाल

30. नागालैंड

श्री अलेमचीबा आओ
निदेशक, कला तथा संस्कृति
नागालैंड सरकार
कोहिमा (नागालैंड)

31. उड़ीसा

श्री अनंत महापात्र,
'पुराबी'
भुवनेश्वर मार्ग,
भुवनेश्वर-751011

32. पांडिचेरी

श्रीमती प्रतिमा करन,
शिक्षा सचिव,
शिक्षा निदेशालय,
पांडिचेरी सरकार,
पांडिचेरी

33. पंजाब

—

34. सिक्किम

श्री मनिम टोपगें,
सांख्यिकीय अधिकारी,
सांस्कृतिक मामलों का विभाग,
सिक्किम सरकार,
गंटोक

35. राजस्थान

श्री मंशाराम पुरोहित,
अध्यक्ष,
राजस्थान संगीत नाटक अकादमी,
पायोटा सिविल लाईन्स,
जोधपुर

36. तमिलनाडु

श्री डा० वी० नारायणस्वामी,
सचिव,
तमिलनाडु इयाल इसाई नाटक
मनरम, गानवेंज रोड,
मद्रास-600 028

37. त्रिपुरा

श्री त्रिपुरेंद्र भौमिक,
प्रिंसिपल,
गवर्नमेंट संगीत कालेज,
अगरतला

38. उत्तर प्रदेश

श्री आर० सी० त्रिपाठी,
सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार
संस्कृति विभाग, जवाहर भवन,
लखनऊ

39. पश्चिम बंगाल

श्रीमती सुचित्रा मित्रा,
13/8, स्विनहो स्ट्रीट,
कलकत्ता-700019

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय का प्रतिनिधि

40. कुमारी पी०एस० शकुंतला
निदेशक (सी एच),
संस्कृति विभाग,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय का प्रतिनिधि

41. श्री एस० पी० उपासनी,
संयुक्त सचिव (प्रसारण),
सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

साहित्य अकादमी के दो प्रतिनिधि

42. डा० हीरालाल महेश्वरी,
बी-174 ए, राजेंद्र मार्ग,
बापू नगर,
जयपुर-302015

43. सचिव,
साहित्य अकादमी,
रवीन्द्र भवन,
नई दिल्ली

ललित कला अकादमी के दो प्रतिनिधि

44. श्री पम्मी लाल,
आर/31, हैदराबाद कालोनी,
बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय,
वाराणसी-221005

45. श्री लक्ष्मण पई,
प्रिंसिपल,
गोवा कालेज आफ आर्ट्स,
पणजी (गोवा)

नेशनल स्कूल आफ ड्रामा का प्रतिनिधि

46. निदेशक,
नेशनल स्कूल आफ ड्रामा,
बहावलपुर हाउस,
भगवानदास रोड,
नई दिल्ली-110001

नियम 4 (viii) के अन्तर्गत सहयोजित बारह व्यक्ति

47. श्रीमती दिपाली नाग,
43-ए, बीरेन राय रोड (ईस्ट),
कलकत्ता-700008

48. श्री अशोक डी रानाडे,
7 जनन देवी,
साहित्य सहवास,
बांद्रा (ईस्ट)
बम्बई-400051

49. श्री मोहन महर्षि,
प्रो० तथा अध्यक्ष,
इंडियन थियेटर विभाग,
पंजाब विश्वविद्यालय,
चंडीगढ़ 14

50. श्रीमती रोहिणी भाटे,
1256, शिवाजी नगर,
पुणे-411004

51. श्री केदारनाथ साहू
सराय केला
जिला सिंहभूमि
पिन - 833219

52. श्री कावलम नारायण पनीकर,
वसंतम, पेरूकाडा,
त्रिवेंद्रम-5 (केरल)

53. श्री रतन थियाम,
कोरस रिपरटरी थियेटर,
उरीपोक,
इम्फाल-795001

54. श्री शमीक बनर्जी,
पी 5, गरियाहाट रोड,
कलकत्ता-700029

55. श्री हफीज अहमद खान,
उपमुख्य निर्माता (एम)
आकाशवाणी,
आकाशवाणी भवन,
संसद मार्ग,
नई दिल्ली-110001

56. श्री एम० वी० श्रीनिवासन,
मद्रास यूथ कॉयर,
12, चितरंजन रोड,
मद्रास-600018

57. श्री नरेंद्र शर्मा,
मॉडर्न स्कूल,
बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली-110001

नियम 4 (1·X) के अन्तर्गत सहयोजित आत्र व्यक्ति

58. डा0 (कु0) पद्मा सुब्रमनियम,
6, फार्थ मेन रोड,
गांधीनगर,
मद्रास-600020

59. श्री केलुचरण महापात्र,
शमित हाती,
कटक-753001

60. डा0 कुमार गंधर्व,
कुमार संगीत अकादमी,
माताजी का रास्ता,
आगरा रोड,
देवास 455001 (मध्य प्रदेश)

61. श्री ज्ञान प्रकाश घोष,
हेमकाया फ्लैट नं0 6-ए,
आइरन साइड रोड,
कलकत्ता-700019

62. डा0 एम0 बालमुरली कृष्णा,
महाथी,
11, कानन केसरी नगर,
मद्रास-600086.

63. श्री शंभु मित्र,
11-ए नासिरुद्दीन रोड,
कलकत्ता-700017

64. श्री एस0 रामनाथन,
कलाक्षेत्र,
तिरुवंमियूर,
मद्रास

65. श्री टी0 एन0 कृष्णन,
प्रिंसिपल,
सेंट्रल कालेज आफ कर्नाटिक म्यूजिक,
ग्रीनवेज रोड,
मद्रास-600028

परिशिष्ट-II

वर्तमान नियम	23-12-1983 को महापरिषद् (असाधारण बैठक) द्वारा अनुमोदित संशोधन
नियम 4 (VII)	
"दो अकादमियाँ नामत: साहित्य अकादमी और ललित कला अकादमी - प्रत्येक में से दो प्रतिनिधि तथा नेशनल स्कूल आफ ड्रामा से एक प्रतिनिधि ।	"दो अकादमियाँ नामत: साहित्य अकादमी तथा ललित कला अकादमी - प्रत्येक से दो प्रतिनिधि तथा नेशनल स्कूल आफ ड्रामा और इंडियन काउंसिल फार कल्चरल रिलेशंस, नई दिल्ली - प्रत्येक से एक प्रतिनिधि" ।
नियम 4 के परंतुक में संशोधन	
"बशर्ते कि सभी सदस्य (उस स्थिति को छोड़कर जिसमें अन्यथा व्यवस्था दी गई हो) पांच वर्ष तक की अवधि के लिए सदस्य बने रहेंगे और वे पुन: नियुक्ति के हकदार होंगे ।"	"महापरिषद् नामित /नियुक्त सदस्यों का प्रथम बैठक के लिए निर्धारित तारीख से पांच वर्ष तक बनी रहेगी और उक्त पांच वर्ष की समाप्ति पर महापरिषद् विघटित मानी जाएगी" ।
नियम 33 में संशोधन	
"अधिशासी मंडल संबंधित वर्ग के शेष सदस्यों से परामर्श करके नियम 4(VIII) के अधीन सहयोजित बारह व्यक्तियों के वर्ग या नियम 4(IX) के	"अधिशासी मंडल संबंधित वर्ग के शेष सदस्यों से परामर्श करके नियम 4(VIII) के अधीन सहयोजित बारह व्यक्तियों के वर्ग या नियम 4(IX) के अधीन सहयोजित

अधीन सहयोजित आठ विशिष्ट व्यक्तियों के वर्ग में महापरिषद् में हुई किसी भी रिक्ति को भर सकता है और इस मामले की सूचना महापरिषद् की अगली बैठक में दी जाएगी। महापरिषद् में होने वाली किसी भी अन्य रिक्ति को उस संबंधित प्राधिकारी द्वारा नियुक्ति अथवा नामन करके भरा जाएगा जिसे ऐसी नियुक्ति या नामन करने का अधिकार हो। उक्त ढंग से नियुक्त, नामित या सहयोजित सदस्य का कार्यकाल तथा पद उस सदस्य की केवल उतनी ही शेष अवधि के लिए होगा जिसके स्थान पर उसे नियुक्त, नामित या सहयोजित किया गया है।"

आठ विशिष्ट व्यक्तियों के वर्ग में महापरिषद् में हुई किसी भी रिक्ति को भर सकता है और इस मामले की सूचना महापरिषद् की अगली बैठक में दी जाएगी। महापरिषद् में होने वाली अन्य किसी भी रिक्ति को उस संबंधित प्राधिकारी द्वारा नियुक्ति अथवा नामन करके भरा जाएगा जिसे ऐसी नियुक्ति या नामन करने का अधिकार हो। उक्त ढंग से नियुक्त, नामित या सहयोजित सदस्य का कार्यकाल तथा पद महापरिषद् के कार्यकाल की केवल शेष अवधि तक ही रहेगा।

नियम 7 (ii)

"अधिशासी मंडल किसी संकल्प द्वारा अकादमी के कार्यसंचालन के लिए अध्यक्ष को अपनी शक्तियों का

"अध्यक्ष/आवश्यक परिस्थितियों के अनुसार महापरिषद् या अधिशासी मंडल की ओर से निर्णय लेने का अधिकार होगा

प्रत्यायोजन उस ढंग से कर सकता है जिसे वह उचित समझे। लेकिन शर्त यह होगी कि उक्त ढंग से प्रत्यायोजित की गई शक्तियों के अधीन अध्यक्ष द्वारा की गई कार्रवाई की सूचना अधिशासी मंडल की अगली बैठक में दी जाएगी।"

लेकिन इसमें शर्त यह होगी कि अध्यक्ष द्वारा लिए गए निर्णयों की संपुष्टि यथास्थिति, महापरिषद् या अधिशासी मंडल अपनी अगली बैठक में करेगा।"

-0-

परिशिष्ट - ...

1983-84 के दौरान सांस्कृतिक संगठनों को स्वीकृत अनुदान

क्र.सं.	संस्था का नाम और पता	राशि रु०	प्रयोजन
1	2	3	4
	आंध्रप्रदेश		
1.	श्री रामकृष्णा नाट्य मंडली, 20/443 ओनिंटामिता मूलापेट, नेलोर 524003.	4,000	नाटक प्रशिक्षण स्कूल के शिक्षकों के वेतन के लिए
2.	श्री तलापाका अन्नामचार्य, सारस्वत कलापीठम्, कुचीपुडी 521136	2,000	कुचीपुडी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
3.	श्री वेंकटरमणा नाट्य मंडली, कुचीपुडी 521136	3,000	कुचीपुडी शास्त्रीय नाटक - "श्रृंगार नायिका" की प्रस्तुति के लिए
4.	श्री त्यागराय गाना सभा, विवेक नगर, चिक्काडपल्ली, हैदराबाद 500020.	3,000	कर्नाटक गायन में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
5.	श्री नेशनल महिला नाट्य मंडली, बावाजीपेट, विजयवाड़ा 520003	1,500	"सती सक्कुबाई" नाटक के प्रस्तुतीकरण के लिए
6.	श्री वेंकटेश्वर नाट्य कला परिषद्, गांधी रोड, तिरुपति	1,500	प्रकाश और ध्वनि उपस्करों की खरीद
7.	न्यू म्यूजिक स्कूल, चिक्कड़पल्ली, हैदराबाद 500020	3,000	गायन में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
8.	नाट्य भारती, लावसन्स बे कालोनी, पेडा वालटेयर, विशाखापत्तनम् 530017	3,500	लोक नाटक - "बुरपुरंखालु" की प्रस्तुति
9.	कला पीठम्, रामचंद्रापेट, एलूरु	5,000	कुचिपुड़ी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन तथा प्रशिक्षार्थियों को वज़ीफा)
10.	श्री रामलिंगेश्वर लक्ष्मी गणेश कला समिति मुलीकीपल्ली ईस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट	3,000	वाद्य-यंत्रों की खरीद

1	2	3	4
11.	नाट्य समाख्या राजास्ट्रीट, वेंकटगिरि टाउन 524133	3,000	ध्वनि उपस्करों की खरीद
		27,500	

अरुणाचल प्रदेश

1.	प्रांतीय समाज कल्याण आश्रम, पो० आ० जिमोन नार्थ लखीमपुर डिस्ट्रिक्ट	3,000	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

असम

1.	श्री शंकर देव कला कृस्ती केंद्र, पो० आ० मारकुआटिनी अली	2,500	एक नए नाटक की प्रस्तुति
2.	मणिपुरी कला अकादमी, पो० आ० फुलेरताल डिस्ट्रिक्ट काछार	2,000	वाद्य-यंत्रों की खरीद
3.	हरमोरा माडल मंत्र हिल्स एंड प्लेन्स कल्चरल एसोसिएशन पो० आ० दिरण, सोजुली डिस्ट्रिक्ट, नार्थ लखीमपुर	2,000	संगीत और नाटक में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
4	सिल्चर संगीत विद्यालय, गांधी बाग, सिल्चर 788001	2,000	संगीत में प्रशिक्षण (संगीत शिक्षकों का वेतन)
5.	शिल्पक कल्चरल आर्गनाइजेशन, उल्लासकर दत्त सरनी, सिल्चर 788004	3,000	बंगाली नाटक-उत्सव के आयोजन के लिए
6.	उत्तर कमलाबाड़ी सत्र शंकरदेव क्रिस्ती संघ पी० ओ० कमलाबाड़ी जिला शिवसागर	2,500	वाद्य-यंत्रों की खरीद
7.	उपर असम मणिपुरी कला अकादमी, सिल्चर 788001	2,500	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
8.	संयुजिया समाज संगीत विद्यालय, पी० ओ० शिवसागर	2,000	गायन तथा वाद्य संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
9.	जगतगुरु श्रीमंत शंकरदेव क्रिस्ती कला संघ, पी० ओ० कमलाबाड़ी मजुली	2,500	संगीत कठपुतली नाटक की प्रस्तुति

1	2	3	4
10.	कलागुरु विष्णुराव संगीत विद्यालय, ग्राम, मजारगांव जिला कामरूप	1,500	वाद्ययंत्रों की खरीद
11.	खरगुली संगीत केंद्र, खरगुली गौहाटी 4	2,500	शास्त्रीय नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
12.	शंकरी कला कृष्टी विकास समिति, मजुली	–	डा० सुनील कोठारी, सहायक सचिव इस संस्था के कार्यकलाप के बारे में और अधिक ब्यौरा प्राप्त कर सकते हैं।
		25,000	

बिहार

1	2	3	4
1.	विद्या कला मंदिर, कंकर बाग, राजेंद्र नगर पटना 800016	4,000	लोक संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
2.	नृत्य कला केंद्र, जमशेदपुर	3,000	छाऊ नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
3.	भारतीय कला मंदिर, पो० ऑ० डाल्टनगंज, जिला पालामऊ	3,000	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन) लेकिन संगीत नाटक अकादमी का अधिकारी इस संस्था का निरीक्षण करेगा।
4.	जगन्नाथ आर्ट्स स्कूल सरायकेला	3,000	मुखौटा निर्माण में प्रशिक्षण (लेकिन संगीत नाटक अकादमी का अधिकारी इस संस्था का निरीक्षण करेगा)
5.	अंकुर, वेस्ट बोरिंग कैनाल रोड आनंदपुरी, पटना 800001	2,000	"गुलेल" - नाटक की प्रस्तुति के लिए आर्थिक सहायता
		13,000	

1	2	3	4
चंडीगढ़			
1.	इंडियन नेशनल थियेटर, 119 सेक्टर 36 ए चंडीगढ़	3,000	वार्षिक संगीत सम्मेलन के आयोजन के लिए
दिल्ली			
1.	अवध थियेटर ग्रुप, 1, मिरांडा हाउस, स्टाफ क्वार्टर्स, दिल्ली-110007	1,500	प्रस्तुतिप्रधान नाटकों पर [illegible] /वर्कशाप
2.	हस्ताक्षर, 1/117, ओल्ड राजेंद्र नगर नई दिल्ली-110067	3,000	एक नए नाटक "बैरिस्टर" की प्रस्तुति
3.	दिल्ली बैले ग्रुप, 16/27, ब्लू इं एन, नई दिल्ली-110005	2,000	"स्पिरिट आफ इंडिया" - बैले की प्रस्तुति
4.	यवनिका ए-49, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली	3,000	"ठहरा हुआ पानी" - नाटक की प्रस्तुति

5.	सेंटर आफ इंडियन क्लासिकल डांसेज, सी-304 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-110024	3,000	भरत नाट्यम् नृत्य के गहन अध्ययन के लिए तृतीय नृत्य विवेचन पाठ्यक्रम के आयोजन के हेतु
6.	तमाशा, 34, आनंद लोक नई दिल्ली-110049	3,000	"अनाम घर" - आधुनिक नाटक की प्रस्तुति
7.	दिल्ली इंस्टीट्यूट आफ म्यूजिक, डांस एंड ड्रेमेटिक्स, बी-13, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027.	3,000	भरत नाट्यम् तथा कत्थक नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
8.	नृत्य वाटिका, 3365, क्रिश्चयन कालोनी, करोल बाग, नई दिल्ली-110005	1,500.	"वासवदत्ता" - बैले की प्रस्तुति
9.	दिल्ली नाट्य संघ, एच/464, नानकपुरा, नई दिल्ली	1,000	"विश्व रंगमंच दिवस" के समारोहों के लिए

1	2	3	4
10.	एस एन एम टी प्रोजेक्ट ट्रस्ट 5, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, राउज एवेन्यू, नई दिल्ली -110001	5,000	"लाली गांड़ी का राजा" - कठपुतली नाटक का प्रस्तुति
11.	भूले बिसरे कलाकार, ई 4, शंकर मार्किट, नई दिल्ली -110001	8,000	बच्चों के लाभ के लिए दिल्ली / दिल्ली के आसपास मुफस्सिल शहरों के विभिन्न स्कूलों में पारंपरिक लोक कलाओं (कठपुतली, लोकसंगीत, कलाबाजियां) के प्रदर्शनों के लिए
12.	श्री गणेश पब्लिक चैरिटेबुल ट्रस्ट, सी -11 / 61 बापा नगर नई दिल्ली -110003	3,500	भरत नाट्यम् नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
13.	श्री शक्ति नाट्य कला मंदिर 16 / 24 डब्ल्यू ई ए करोलबाग, नई दिल्ली -110005	3,500	भरत नाट्यम में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (श्रीमती अरुणा देवी का वेतन)
14.	मणिपुर फाइन आर्ट्स सेंटर, ई-40, लाजपत नगर III नई दिल्ली	3,500	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
15.	हम सब एवने गालिब मार्ग, नई दिल्ली-110002	2,000	एक उर्दू नाटक की प्रस्तुति
16.	अम्बेडकर राम लीला ड्रेमेटिक क्लब, मुखमेलपुर नई दिल्ली-110036	2,000	रामलीला की प्रस्तुति
17.	स्पिक मेके 41-42, लखनऊ रोड दिल्ली-110007	10,000	संगीत उत्सव के आयोजन के लिए (इस आशय का एक पत्र भेजा जाए कि बड़े शहरों के बाहर के कुछ क्षेत्रों में और स्वैच्छिक संस्था में परियोजना एवं मार्गनिर्देशक प्रयास किए जाएं)
18.	नृत्य कौस्तुभ कल्चरल सोसाइटी डी-1/39 सत्य मार्ग चाणाक्यपुरी, नई दिल्ली-110021	5,000	भरत नाट्यम् में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
		55,500	

गोवा

1.	कलांजलि कल्चरल इन्स्टीट्यूशन, मरगाव, गोवा	3,000	भरत नाट्यम् में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
2.	म्हैन आर्केस्ट्रा वास्कोडिगामा, गोवा	2,000	भारतीय शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
3.	स्वर संगम संगीत विद्यालय सानार पेट, बिचोलिम, गोवा	2,000	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
4.	दयानंद कला केंद्र, बिचोलिम, गोवा-403706	2,000	पोशाकों एवं वाद्य-यंत्रों की खरीद
		8,000	

गुजरात

1	2	3	4
1.	श्रेयस कला केंद्र, अम्बावाड़ी, अहमदाबाद-380015	3,000	आंध्र प्रदेश के जीवन तथा संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले उत्सव मेले के आयोजन के लिए
2.	संगीत नाट्य	3,000	बारातों और रावलों द्वारा बजाए जाने वाले लोक वाद्य-यंत्रों के गहन अध्ययन के लिए

1	2	3	4
3.	भारतीय संगीत संसद, 8, काशी विश्वनाथ प्लाट, राजकोट 360001	3,000	भारतीय शास्त्रीय संगीत के संवर्धन के लिए
4.	महीपत कवी ज पपेट थियेटर शास्त्रीनगर, अहमदाबाद 380013	2,000	नए कठपुतली नाटकों की प्रस्तुति
5.	मुद्रा इंस्टीट्युट आफ फरफारमिंग आर्ट्स, युनिवर्सिटी एरिया, अहमदाबाद-380009	2,000	नवीन नृत्य-नाटक - 'मेघदुत' की प्रस्तुति
6.	श्री सौराष्ट्र अंत्यज बालीक बाड़ी जामनगर रोड, राजकोट-360001	1,500	लोक संगीत कार्यक्रम आयोजित करने के लिए
		14,500	

हरयाणा

1.	हरयाणा लोक मंच, तोहाना, जिला हिसार/ जवाहर नगर दिल्ली-110007	4,000	हरयाणा की पारंपरिक संस्कृति के परिरक्षण एवं संवर्धन के लिए

1	2	3	4
[illegible]			
1.	युनाइटेड थियेटर्स, गालिब कॉटेज, लाकली, शिमला	2,000	शिमला में खेले जाने वाले एक नए नाटक की प्रस्तुति के लिए
2.	स्टेज रंग क्लब, 456 डॉ रोड धर्मशाला 176215	–	महापरिषद के सदस्य – श्री एस० एस० एस० ठाकुर के साथ मामले पर विचार किया जाए।
		2,000	
जम्मू-व-कश्मीर			
1.	कौसेर थियेटर, तामिया इमाम साहिब शोपियन	1,500	लोक रंगमंच 'भांड पाथेर' तथा 'भांड जशन' की प्रस्तुति
2.	नेशनल भांड थियेटर वाहथोरा, कडोरा	2,000	सूफियाना संगीत का परिरक्षण
3.	मानसबाल ड्रैमेटिक्स सफापुर 193504	2,000	प्रकाश तथा ध्वनि उपस्करों की खरीद

1	2	3	4
4.	कश्मीर भांड थियेटर हाजी कुंड, वाहथोरा बाडोरा	3,000	लोक नाटक के मुख्य पात्रों के लिए नई पोशाकें बनाने के लिए
5.	गुलशन थियेटर, पो० आ० बालापुर, शोपियन	3,000	दो लोक नाटकों "एक नंदुन और "बाटा पाइथर" की प्रस्तुति तथा प्रदर्शन
6.	बुल्लर थियेटर जाइनगीर सोपोर	3,000	पाइथेर नाटकों को आधुनिक बनाने के लिए
7.	बहुरंगी मार्फत डोगरी संस्था, पक्का डंगा जम्मू तवी	3,000	बच्चों के लिए नाटककारों की कार्यशाला आयोजित करने के लिए
8.	मराज़ अदबी संगम सिकोपे रोड, बिज़बेहड़ा 192124	3,000	सूफियाना मौसिकी के परिरक्षण एवं संवर्धन के लिए
9.	मराज कल्चरल एंड आर्ट सेंटर, डोरू अनंतनाग 192211	1,000	एक नए नाटक की प्रस्तुति
10.	आजाद कल्चरल फोरम, बाडोरा 191113	1,000	पोशाकों तथा वाद्य उपस्कर / यंत्रों की खरीद

1	2	3	4
11.	बैम्बई डुक थियेटर सांपुर, बौम्बई	1,500	लोक नाटकों की प्रस्तुति
		19,000	

कर्नाटक

1.	श्री वरलक्ष्मी अकादमीज् आफ फाइन आर्ट्स, रामविलास, 668 काशीपथी, अग्राहर चामराज डबलरोड मैसूर-4	2,500	चतुर्मेला वीणा में अनुसंधान
2.	कर्नाटक जनपद ट्रस्ट नं0 8 टेंपिल स्ट्रीट, चौथा ब्लाक, कुमार पार्क वैस्ट बंगलौर 560020	3,000	कर्नाटक के लोक गीतों का प्रलेखन
3.	महिला यक्षगान कला मित्र मंडली, 10 ए वी ब्लाक कुमार पार्क वैस्ट बंगलौर 560020	2,500	यक्षगान में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
4.	श्री नीलकंठेश्वर नाट्य सेवा संघ, हेगोडु 577417	1,000	प्रदर्शन कलाओं में संबंधित पुस्तकों की खरीद

1	2	3	4
5.	नूपुर, स्कूल आफ भरत नाट्यम्, मल्लेश्वरम् बंगलौर 560003	2,000	भरत नाट्यम में पारम्परिक ढंग से प्रशिक्षण
6.	बंगलौर ज्ञान समाज, श्री कृष्णा राजेंद्र रोड बंगलौर 560004	2,000	संगीत सम्मेलन के लिए आर्थिक सहायता
7.	कर्नाटक राज्य समुदाय समन्वय समिति बासवनगुडी बंगलौर 560004	3,000	प्रस्तुति प्रधान रंगमंच कार्यशाला का आयोजन
8.	आयंगर कालेज आफ म्यूज़िक, बासवनगुडी बंगलौर 560004	2,000	प्रोजेक्ट परकुशन आर्केस्ट्रल ग्रुप (शिक्षकों का वेतन)
9.	पालघाट मणि अय्यर मेमोरियल आर्ट्स सेंटर जयनगर, बंगलौर 560011	2,000	रिकार्डों तथा छाया-चित्रों के माध्यम से सुप्रसिद्ध तालवादकों की महान कलाओं का संग्रह तथा परिरक्षण
10.	हुबली आर्ट सर्किल देशपांडे नगर हुबली 580029	2,000	रिकार्डिंग स्टूडियो तथा संगीत अभिलेखागार की स्थापना

1	2	3	4
11.	मुदालपाया यक्षगान ट्रस्ट कोने हल्ली	2,000	लोक नाटक - "कारी चेनाटाना कलागा" की प्रस्तुति
12.	समुदाय हरीहर युनिट एस जे वी पी कालेज हरीहर 577604	1,500	नाटक कार्यशाला
		25,500	

केरल

1.	विज्ञान कलावेदी सेंटर अंगदिकाल पुथेकावु कुंगानुआ 689123	3,000	कथकली नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
2.	केरल कला मंदिरम् तिरुवम्बाड़ी त्रिचूर 680001	3,000	मोहिनी अट्टम में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
3.	डा० शिवदास आर्ट्स थियेटर सुल्तानपेट पालघाट 679001	1,000	बाल नाटक की प्रस्तुति
4.	नाटक वेदी तिरुवम्बाड़ी त्रिचूर 680001	1,500	नाटक की प्रस्तुति और नाटक में प्रशिक्षण

1	2	3	4
5.	बाल विकास भवन विलामबलम कोचीन 682016	4,000	बाल रंगमंच में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
6.	मार्गी, त्रिवेंद्रम फोर्ट हाई स्कूल के पास त्रिवेंद्रम	1,500	कथकली पोशाकें तथा साज- सामान की [खरीद]
7.	स्वपनम इंस्टीट्यूट आफ परफॉर्मिंग आर्ट्स एंड रिसर्च, सोपानम् त्रिवेंद्रम 695005	5,000	मलयालम नाटक "करिमकुट्टी" की प्रस्तुति
8.	केरल कला मंडलम वल्लाथोलनगर चेरुथुरुथी 679531	5,000	कथकली नाटक "सम्पूर्ण रामायण" और "गुरुवायुर- प्पन" की प्रस्तुति
9.	डा० के० एन० पिशारोती स्मारक कथकली क्लब पट्टाभिरामो रोड इरिंजलकुडा 680121	2,000	कौडियट्टम् प्रदर्शन के लिए आर्थिक सहायता
		26,000	

1	2	3	4
मध्य प्रदेश			
1.	लोक कला मंच पंडवानी रिंगनी पोस्ट नरघा	3,000	छत्तीसगढ़ के लोकगीत तथा कला के परिरक्षण एवं संवर्धन के लिए
2.	फोक आर्ट्स अकादमी रानी लक्ष्मीबाई रोड, सागर	2,500	बस्तर के कबायली संगीत का लोक नृत्य उत्सव के आयोजन के लिए
		5,500	
महाराष्ट्र			
1.	द पपेट डोंबिविली (ईस्ट) जिला थाना	2,000	कठपुतली-कला में प्रशिक्षण
2.	प्रोग्रेसिव ड्रेमेटिक एसोशिएशन डेक्कन जीमखाना, पुणे - 41004	3,000	एक नए नाटक - "फिजीसिस्ट" की प्रस्तुति
3.	भारतीय संगीत प्रसारक मंडल, गंधर्व महाविद्यालय, शानवरपेट, पुणे-411030	2,000	शास्त्रीय गायन में छात्रों को प्रशिक्षण

1	3	3	4
4.	रूरल कम्यून्स फर्स्ट मरीन स्ट्रीट बंबई 400002	3,000	ग्रामीण संचार में लोक माध्यम का प्रयोग
5.	गायन वादन विद्यालय शिवाजी नगर, नांदेड़-431602	3,000	संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
6.	कलाछाया प्रभात रोड, पुणे-411030	3,000	कत्थक नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
7.	तमाशा कला कलावंत विकास मंदिर इंडस्ट्रियल एस्टेट कम्पाउंड लालबाग, बंबई-400012	4,000	पारम्परिक/लोक रूप तथा रंगमंच का सर्वेक्षण
8.	दलित रंगभूमि सोमवार पेठ, पुणे-411011	1,500	नव० 1983 में आयोजित की जाने वाली अभिनय कार्यशाला के लिए आर्थिक सहायता
9.	रंगशारदा प्रतिष्ठान सेनापति बापत मार्ग, बंबई-400028	3,000	एक नवीन संगीत नाटक की प्रस्तुति

1	2	3	4
10.	नाट्य आराधना गोल्ड फिंचपेट, शोलापुर-413002	3,500	प्रकाश उपस्करों की खरीद
11.	भारतीय हरिकथा एवं नर्तन महाविद्यालय भारतीय विद्या भवन, डा० के० एम० मुंशी मार्ग, बंबई-400007	—	और अधिक ब्यौरा प्राप्त किया जाएगा तथा अनुदान समिति के समक्ष मामला पेश किया जाएगा।
† 12.	नाट्य संघ, महात्मा गांधी रोड, बंबई-400001	4,000	मूक-बधिर तथा विकलांगों के लिए कार्यशाला
††† 13.	सुर सिंगार संसद अरुणा एन० दाभोलकर रोड, बंबई-400006	5,000	30वें स्वामी हरिदास संगीत सम्मेलन के लिए आर्थिक सहायता
† 14.	बाल नाट्य बंबई	3,000	बाल नाटक की प्रस्तुति
		37,000	

मणिपुर

	तुरज्यात्रिक कला विकास संघ नट कालेज, पो० ओ० सिंगजमेई बाजार इम्फाल 795137	4,000	नट संकीर्तन में छात्रों का प्रशिक्षण

1	2	3	4
2.	संगीत अकादमी, काक्चिंग, खुलेन पार्टन।।	3,500	मणिपुरी लोक गीत तथा पेन्ना संगोष्ठी के आयोजन के लिए आर्थिक सहायता
3.	मोइरंग कांग्लो इशेई एसोसिएशन, सागांग रोड, इम्फाल 795001	1,500	लोक संगीत, लोक तालों तथा लोक गीतों में अनुसंधान
4.	कल्चरल ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट, लैंडो अर्लीस हाई स्कूल बापूपाड़ा, इम्फाल 795001	1,500	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
5.	संगीत कला संगम, लामलौंग बाजार, इम्फाल 795001	2,500	वाद्य यंत्रों की खरीद
6.	मणिपुरी जाईे मारूप जॉनस्टोन स्कूल हाल इम्फाल-795001	3,000	मंच तथा अन्य तकनीकी उपस्करों की खरीद
7.	मणिपुरी नट संगीत आश्रम, कोंगा बाजार, इम्फाल 795001	1,500	नट संकीर्तन में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
8.	गुरु अताम्बा इन्स्टीट्युट आफ डांस एंड म्युजिक, युरापाक हयाबाम दीवान, लेकाई इम्फाल-795001	2,500	शास्त्रीय मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
9.	पंथोइबी नाट्य मंदिर, युमनाम लेकाई, इम्फाल-795001	2,500	एक नए नाटक "लोंगडा लेरेन अपम थोइबा" की प्रस्तुति
10.	प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट लैबोरेटरीज युरीपोक हाओबाम दीवान लेकाई इम्फाल	1,500	एकल एवं युगल नृत्य उत्सव के लिए आर्थिक सहायता
11.	सोसाइटी थियेटर, सेगाराड, इम्फाल-795001	1,500	एक नए नाटक की प्रस्तुति
+12.	मणिपुरी संगीत नाट्य महाविद्यालय, ताखेललामबम लेकाई, इम्फाल-795001	1,500	काबुकी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
13.	थियेटर सेंटर मणिपुर पाओना बाजार, इम्फाल 795001	1,500	14वीं अखिल भारतीय मणिपुरी लघु नाटक प्रतियोगिता के लिए आर्थिक सहायता
14.	हुला सिंदम संघ किआम्थौंग लाइसमेलाइरक इम्फाल-795001	1,500	राज्य स्तर की थांगबी फुनाबा चैम्पियनशिप के लिए आर्थिक सहायता
15.	मैतेई लीमा जात्रा कम-ड्रामा एसोशिएशन सगोलबंद, टक्येल कोलोम लेकाई, लांगजिंग, अ[illegible]ा	1,500	पारम्परिक नाटक की प्रस्तुति
16.	सोसिल ड्रेमेटिक युनियन, युरोपांक, अचोम्लेकाई इम्फाल-795001	1,500	एक नए नाटक "निंगथाऊ वांगथोई बा" की प्रस्तुति
17.	रोंगमी नागा आर्ट्स एंड कल्चरल एसोशिएशन, तेंगलांग टाउन 795141	1,500	कबायली नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन तथा छात्रों के लिए वजीफा)
18.	मणिपुरी नर्तनालय, मोइरंगखोम, सांगाईप्रोउ लेरक, इम्फाल-795001	2,500	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
19.	गुरु अमुबी नृत्य विद्यालय, जॉन्सन स्टोन स्कूल हॉल, इम्फाल-795001	3,000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
20.	श्री गोविंद जी भक्ति ग्रंथ केंद्र विद्यालय, ब्रह्मपुर, थंगापेट मापल, इम्फाल सेंट्रल	3,000	संगीत-लैरिक थिबा और लैरिक हाइबा में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
		40,000	

उड़ीसा

1	2	3	4
1.	उत्कलमणि किशोर कला मन्दिर, मलेपाली बोलांगीर 767029	1,000	वाद्य यंत्रों की खरीद
2.	उत्कल संगीत समाज, पुनाघाट रोड, कटक-753009	1,500	ओडिसी और लोक नृत्यों में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
3.	द थियेटर, पियर्स लेन लेन, कटक-753002	3,000	उड़िया नाटक की प्रस्तुति

1	2	3	4
4.	म्यूजिक सर्कल, राउरकेला 769003	1,500	नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
5.	नृत्य संगीत कला मंदिर, बालासोर-756001	1,500	ओडिसी नृत्य और संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
6.	उत्कल कालेज आफ म्युजिक एंड डांस, मकुआ बाजार, कटक-7530[illegible]	1,500	ओडिसी नृत्य में और संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
7.	मनमोहन संगीत परिषद्, भद्राक 756100	1,000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
8.	दसकथी रिसर्च सेंटर लाठी, गंजम	—	और विवरण प्राप्त किया जाना है तथा अनुदान समिति के अध्यक्ष के समक्ष मामला पेश किया जाएगा।
9	कविचन्द्र कला केन्द्र, बी 67, सैक्टर 19 राउरकेला 769005	1,000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4
10.	उड़ीसा डांस अकादमी, 3097, रामेश्वर पटना भुवनेश्वर 750002	3,000	उड़ीसा नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
11.	नालंदा कला मंदिर, जयपुर -764001	1,500	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
12.	चिकंदा दक्षिणापाशाही छाऊ नृत्य प्रतिष्ठान, चिकंदा, मयूरगंज 757018	3,000	छाऊ नृत्य में अनुसंधान तथा प्रशिक्षण
13.	भान्जा कला केन्द्र, भांजा भवन, राउरकेला-769002	1,500	ओडिसी नृत्य और संगीत में प्रशिक्षण
†14.	संगीत कला संसद, ताला बाजार, चाँदबाली-754025	1,000	लोक नृत्य में प्रशिक्षण (घैती घोड़ा)
†15.	भुवनेश्वर कला केन्द्र, गंगानगर, युनिट 6 भुवनेश्वर 750001	3,000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
		21,500	

1	2	3	4
पंजाब			
1.	राजेश्वरी कला संगम, न्यू जवाहर नगर, जलंधर-144001	2,000	गूंगे और बहरे बच्चों को संगीत सिखाने के लिए
2.	नेशनल थियेटर आर्ट्स सोसायटी, 36 वीं पावर हाउस कालोनी, पटियाला	2,000	पंजाब के लोक कला रूप - नगालों के संवर्धन के लिए आर्थिक सहायता
		4,000	
राजस्थान			
1.	महाराणा कुंभा संगीत परिषद, पंचवटी रोड, उदयपुर-313001	4,000	वार्षिक कुंभा संगीत समारोह
2.	नेशनल थियेटर सोसायटी, कैम्प रोड, चौटीना वैल, बीकानेर-334001	2,000	बाल रंगमंच की प्रस्तुति

1	2	3	4
3.	मरुधर लोक कला केन्द्र, बाड़मेर-344001	4,000	डांडिया गैर मेले का आयोजन
4.	कला भारती अलवर-361001	2,000	मंच उपकरणों की खरीद
5.	त्रिवेणी संस्था, 6, अग्रसेन नगर, उदयपुर-313001	3,000	नाटककार कार्यशाला के लिए आर्थिक सहायता
		15,000	

तमिलनाडु

1.	तिरुवारूर म्युजिक ट्रिनिटी कोमेमोरेशन सभा तिरुवारूर-610002	2,000	वाद्य यंत्रों की खरीद
2.	स्वर्णमुखी भरत नाट्य कलालय, राजा अन्नामलैपुरम, मद्रास-600028	2,000	नृत्य तथा नाटक में निर्धन तथा जरूरतमंद बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए
3.	श्री तीर्थ नारायण स्वामीगल तिरुपंथुरुथी 613013	1,000	तरंगम में प्रशिक्षण

1	2	3	4
4.	नाटय कला निलयम 13, अरपगमबाई नगर माइलापुर, मद्रास-600004	3,000	नृत्य-नाटक "सेरंधी" की प्रस्तुति के लिए बशर्ते कि संस्कृति विभाग द्वारा कोई अनुदान मंजूर न किया गया हो।
5.	श्री कृष्ण गाना सभा 8 ग्रिफिथ रोड, मद्रास-600017	3,000	दिसम्बर, 1983 में तीसरे नाट्य कला सम्मेलन के आयोजन के लिए
6.	पुरिसाई रामव थंबिरम परामबराई, थेरुक्कोथु मंदरम, पुरिसाई-604411	4,000	थेरुक्कोथु रूप में एक नए नाटक "कार्ण आफ महाभारत" की प्रस्तुति
7.	ओम पेरियासामी फोक आर्ट्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, मदुरै-1	3,000	लोक नाटक की प्रस्तुति
8.	कला समर्पण 8, टावर ब्लाक स्ट्रीट मद्रास 600035	3,000	"भारतीकांड भरतम" - नृत्य नाटक की प्रस्तुति तथा नृत्य रचना के लिए
		19,000	

1	2	3	4
त्रिपुरा			
1.	त्रिपुरा फाईन आर्ट्स कल्चरल इंस्टीट्यूशन, पोस्ट ऑफिस कृष्णनगर, अगरतला	2,000	कबायली लोक नृत्यों में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
उत्तर प्रदेश			
1.	रूपांतर नाट्य मंच, 23 बी हरिपुरा कालोनी, गोरखपुर	3,000	ध्वनि उपस्करों की खरीद
2.	लोक कला केंद्र, पिथौरागढ़	2,000	कुमाउंनी शैली में रामलीला का प्रदर्शन
3.	चिल्ड्रन्स म्यूजियम, मोतीलाल नेहरू मार्ग, लखनऊ-226001	2,000	उ० प्र० संगीत अकादमी के मार्गदर्शन में नाटक - "आम्रपाली" की प्रस्तुति
4.	ठाकुर संगीत कला महाविद्यालय, इटावा	1,500	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
5.	वातायन 28, कालीदास रोड, देहरादून-248001	2,000	"अपवाद और नियम" - नाटक की प्रस्तुति

1	2	3	4
6.	प्रभु श्री रामलाल संगीत विद्यालय, झाँसी	3,000	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
7.	यायावर नाट्य संस्थान 333, फूल बाग, लखनऊ 226001	2,000	स्क्रिप्ट बैंक सेवा को आर्थिक सहायता के लिए
8.	थियेटर आर्ट्स वर्कशाप, 1, लाल बाग, लखनऊ 226001	3,000	उपस्करों की खरीद
9.	अवध कल्चरल क्लब, गोलागंज, लखनऊ-226018	2,000	"दास्तान-ए-लखनऊ" - नाटक की प्रस्तुति
10.	आल इंडिया काशीराज ट्रस्ट, फोर्ट रामनगर, वाराणसी	7,500	पारम्परिक रामलीला के लिए पोशाक खरीदने तथा पुतले तैयार करने के लिए
11.	ब्रजकला केन्द्र, कोठी सड़क, मथुरा	3,000	ब्रज शास्त्रीय मंच तथा लोक संगीत के संवर्धन के लिए
12.	महाराजा बनारस विद्या मंदिर ट्रस्ट, फोर्ट रामनगर, वाराणसी	2,500	ध्रुपद मेले का आयोजन

1	2	3	4
13.	नक्षत्र इंटरनेशनल मिर्जा मंडी चौक, लखनऊ 226003	1,500	"एक था बादशाह" - नाटक की प्रस्तुति के लिए आर्थिक सहायता
14.	सरस्वती संगीत महाविद्यालय, सीतापुर 261001	2,000	संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
15.	संगीत शोध संस्थान, परौसा जिला जालौन	2,000	वाद्य यंत्रों की खरीद
16.	दर्पण 1, चिकन महल लखनऊ 226003	1,000	ध्वनि उपस्करों की खरीद
17.	संस्कृति ई-206, इंद्रानगर लखनऊ	1,000	"अंधा युग" के संस्कृत अनुवाद के लिए
		46,000	

पश्चिम बंगाल

1.	इंडियन माइम थियेटर 30/6 झाउ लेन कलकत्ता 700015	2,000	स्वांग में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन तथा छात्रों के लिए वजीफा)

1	2	3	4
2.	गंधर्व 51/1, पाम एवेन्यू कलकत्ता	3,000	"अंदिन रात्रि" नाटक की प्रस्तुति
3.	अकादमी आफ फोकलोर 46/2, गरिया हाट रोड कलकत्ता 700029	1,500	पुरुलिया के छाऊ नृत्य और लोक गीतों में प्रशिक्षण
4.	थियेटर वर्कशाप 11, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता 700004	3,000	"विसर्जन" - नाटक की प्रस्तुति
5.	नाट्य शोध संस्थान 11, प्रीटोरिया स्ट्रीट कलकत्ता-800071	3,000	रंगमंच में अनुसंधान परियोजना तथा प्रलेखन के लिए आर्थिक सहायता
6.	लिविंग थियेटर स्टेशन रोड रहड़ा 24 परगना	4,000	एक नए नाटक - "हारदाना" की प्रस्तुति
7.	सुंदरम 57 जतिनदास रोड कलकत्ता 700029	3,000	"घंटा भर" - नए नाटक की प्रस्तुति

1	2	3	4
8.	भारतीय शिल्पी परिषद 6, जतीन्द्र मोहन एवेन्यू कलकत्ता 700005	3,000	एक नए नृत्य नाटक - "अवीर उपाख्यान" की प्रस्तुति
9.	रंग कर्मी 18, विवेकानंद रोड कलकत्ता 700006	3,000	प्रकाश और ध्वनि उपस्करों की खरीद
10.	कवच कुंडल 142/एन, बनर्जी पाड़ा रोड कलकत्ता 700041	3,500	लोक नाटक "नील दर्पण" की प्रस्तुति
11.	हावड़ा ड्रामा कालेज 104 नेताजी सुभाष रोड हावड़ा 700001	3,000	रंगमंच कार्यशाला के आयोजन के लिए आर्थिक सहायता
12.	संगीत कला केंद्र पो० ओ० मठ चंडीपुर 721659	1,000	संगीत में प्रशिक्षण और अनुसंधान
13.	रागिनी 49, पंचानन तला लेन कलकत्ता 700034	3,000	"गोपीचंद्र भणिता" नाटक की प्रस्तुति
14.	हिमालय कला मंदिर लेडन ला रोड दार्जीलिंग	4,000	लोक नृत्य और संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों के वेतन के लिए

1	2	3	4
15.	कोरस 131, हरीश मुखर्जी रोड कलकत्ता 700026	3,000	"कोरू" नाटक की प्रस्तुति
16.	द्रुपक म्युज़िक एसोसिएशन फॉरेस्ट व्यू विला, वेस्ट प्वाइंट दार्जीलिंग	3,000	"त्सेचु" नृत्य तथा अन्य "छाम चाँद" आदि नृत्यों में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
† 17.	कलकत्ता पपेट थियेटर	6,000	कठपुतली नाटक की प्रस्तुति
		47,000	

† अनुदान अभी जारी नहीं किया गया है।

†† केवल पहली किस्त जारी की गई है।

††† "देश में संगीत उत्सव संगठन" के अधीन जारी

परिशिष्ट- IV

1983-84 के दौरान सांस्कृतिक संगठनों
(पांच वर्षों 1983-87 की अवधि के लिए
आश्वस्त वित्तीय सहायता के लिए अभिज्ञात)
को स्वीकृत अनुदान

कार्यकलाप का क्षेत्र	क्रम संख्या	संस्था का नाम	राशि जिसकी सिफारिश की गई	प्रयोजन
1	2	3	4	5
संगीत		हिन्दुस्तानी (शास्त्रीय गायन / वादय)		
	1.	गंधर्व महाविद्यालय, नई दिल्ली	8,000	समवेत संगीत में प्रशिक्षण / शिक्षकों का वेतन
	2.	शंकर गंधर्व महाविद्यालय, ग्वालियर	6,000	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण
	3.	उस्ताद नसीर मोइनुद्दीन डागर, ध्रुपद संगीत आश्रम, कलकत्ता	8,000	ध्रुपद और पखावज में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	4.	संगीत महाभारती, बम्बई	4,000	तबला में उच्च प्रशिक्षण के लिए
	5.	श्री हरि संकीर्तन सभा, नैनीताल	6,000	केवल संगीत शिक्षकों के वेतन के लिए

1	2	3	4	5
	कर्नाटिक गायन / वाद्य संगीत			
	1.	मद्रास युथ क्वॉयर, मद्रास	8,000	समवेत गायन में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन और प्रशिक्षकों को मानदेय)
	2.	द म्युजिक अकादमी, मद्रास	10,000	कनिष्ठ प्रतिभाशाली कलाकारों को अनुदान एवं प्रतिपालन; संगीत शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज के अनुसंधान कार्य विकास के लिए
	3.	तमिल इसाई संगम, मद्रास	7,000	प्राचीन तमिल संगीत में प्रशिक्षण / शिक्षकों को वेतन
	4.	श्री जयगणेश तालवाद्य विद्यालय, मद्रास	4,000	कर्नाटिक शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण के लिए (शिक्षकों का वेतन)
पाश्चात्य संगीत				
	1.	दिल्ली स्कूल आफ म्यूजिक, नई दिल्ली	5,000	वाद्य यंत्रों के रखरखाव और नए वाद्य यंत्र खरीदने के लिए

1	2	3	4	5
	2.	कलकत्ता स्कूल आफ म्यूजिक, कलकत्ता	5,000	संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
शास्त्रीय भरतनाट्यम् नृत्य				
	1.	कला क्षेत्र, मद्रास	15,000 + 5,000	संगीत और नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	2.	बाल सरस्वती क्लासिकल भरतनाट्यम् स्कूल, मद्रास	3,000	भरत नाट्यम् में प्रशिक्षण के लिए
			9,000	भरत नाट्यम् का तुलनात्मक अध्ययन
	3.	अभिनय सुधा, मद्रास	7,500	भरत नाट्यम् में प्रशिक्षण (के लिए) (शिक्षकों का वेतन)
	4.	श्री ब्रह्माबाल विद्यालयम् तंजावुर	5,000	शिक्षकों का वेतन
	5.	द मीनाक्षी सुंदरम सेंटर आफ परफार्मिंग आर्ट्स, बंगलौर	7,500	भरत नाट्यम् में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4	5
कत्थक				
	1.	कादम्ब (स्कूल आफ कत्थक डान्स) अहमदाबाद	8,000	कत्थक नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	2.	नृत्य भारती कत्थक डान्स अकादमी, पुणे	8,000	कत्थक नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
मणिपुरी नृत्य				
	1.	श्री श्री गोविंदजी नर्तनालय, इम्फाल	4,000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	2.	मणिपुर नर्तनालय, कलकत्ता	6,000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	3.	मैताई जागोई, कलकत्ता	3,500	मणिपुरी नृत्य शिक्षक श्रीमती देवजनी चालिहा के वेतन के लिए
	4.	मणिपुरी संगीत आश्रम, सिल्चर	2,000	मणिपुरी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)

1	2	3	4	5
कथकली मोहिनीअट्टम आदि				
	1.	उन्नायी वारियर स्मारक कलानिलयम, इरिंजलकुडा	10,000	कथकली नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों को वेतन तथा छात्रों को वजीफे)
	2.	विश्वकला केंद्र, त्रिवेंद्रम	7,000	ओट्टम थुल्लल मंजूरी 3000 रुपए, रामायण बैले 3000 रुपए, वेलाकली मंजूरी 3000 रु0
	3.	गांधी सेवा सदन कथकली एंड क्लासिकल आर्ट्स अकादमी, पेरूर	9,000.00	कथकली में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
शास्त्रीय नृत्य				
ओडिसी नृत्य और संगीत				
	1.	नरेंद्रपुर कला विकास केंद्र, नरेंद्रपुर	6,000	उड़ीसा के लोक नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन और छात्रों का वजीफा)

1	2	3	4	5
	2.	कला विकास केंद्र कटक	7,000	संगीत और नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	3.	श्याम सुंदर संगीत महाविद्यालय, पुरी	3,000	ओडिसी संगीत और नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	4.	ब्रजेश्वरी नृत्य कला संसद, कुम्भारी	2,500	स्वर संगीत में प्रशिक्षण
कुचिपुडी				
	1.	सिद्धेंद्र कला क्षेत्र, कुचिपुडी	15,000	कुचिपुडी नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन और छात्रों को वजीफा)
	2.	कुचिपुडी आर्ट अकादमी, मद्रास	8,000	कुचिपुडी में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
नाटक				
	1.	अभियान, नई दिल्ली	7,000	नए नाटकों की प्रस्तुति
	2.	कलामंदिर, ग्वालियर	6,000	,, ,,
	3.	दर्पण, कानपुर	6,000	,, ,,

1	2	3	4	5
	4.	बहुरूपी, कलकत्ता	10,000	नए नाटकों की प्रस्तुति
	5.	आविष्कार, बंबई	6,000	,, ,, ,,
	6.	स्कूल आफ ड्रामा, कालीकट विश्वविद्यालय, त्रिचूर	4,000	,, ,, ,,
	7.	आर्टिस्ट कम्बाइन, ग्वालियर	3,000	,, ,, ,,
	8.	मुक्ताकाश नाट्य संस्थान, मेरठ	3,000	,, ,, ,,
	9.	अनामिका, कलकत्ता	5,000	,, ,, ,,
	10.	बेंचशियन मिरर, नई दिल्ली	4,000	प्रकाश उपस्कर खरीदने के लिए
	11.	श्रीराम सेंटर फार आर्ट एंड कल्चर, नई दिल्ली	7,000	स्क्रिप्ट बैंक बनाने के लिए
कठपुतली कला				
	1.	मैसूर एजुकेशनल कल्चरल एंड सर्विस सोसायटी, कुंडापुर	5,000	यक्षगान कठपुतली कला में प्रशिक्षण (गुरु कोगा कामथ का वेतन)
	2.	कलकत्ता पपेट थियेटर, कलकत्ता	3,000	कठपुतली नाटकों की प्रस्तुति

1	2	3	4	5
लोक और कबायली				
संगीत / नृत्य				
	1.	पर्वतीय कला केंद्र, नई दिल्ली	5,000	कुमाऊं लोक नृत्य (नाटक का प्रस्तुतिकरण और प्रशिक्षण)
	2.	स्वर्णचूड़ा काऊ संस्थान, राजनोलगिरी	3,000	काऊ नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	3.	भारतीय लोक कला मंडल, उदयपुर	10,000	कठपुतली नाटकों और राजस्थान के लोक नृत्यों की प्रस्तुति और प्रशिक्षण
	4.	श्री रंग मिलन कला मंडल, अहमदाबाद	3,000	लोक और शास्त्रीय नृत्य में प्रशिक्षण देने के लिए
	5.	संगीत कला केंद्र, भीलवाड़ा	3,000	गायर नृत्य समारोह आयोजित करने के लिए
	6.	पुराणाई दुरायस्वामी कान्निप्पा थम्बीरन परम्बराई थेरु कूथू मनरम	5,000	थेरु कूथू में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन और छात्रों को वजीफा)

1	2	3	4	5
	7.	द ह्यूयेन लालोंग मणिपुर थंगटा कल्चरल एसोसिएशन, मणिपुर	4,000	थंगटा नृत्य में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन और छात्रों को वजीफा)
लोक रंगमंच				
	1.	कश्मीर भगत थियेटर कश्मीर	3,500	कश्मीर का लोक थियेटर
	2.	हंगारकुटा यक्षगान कला केंद्र, हंगारकुटा	7,500	यक्षगान में प्रशिक्षण
	3.	यक्षगान केंद्र, उडीपी	10,000	यक्षगान में प्रशिक्षण
	4.	श्री लक्ष्मी नरसिंह जयंती भागवत मेला नाट्य नाटक संगम, मेलात्तुर	5,000	तमिलनाडु भागवत मेले का पारम्परिक थियेटर
	5.	रामकला मंदिर, उधमपुर	3,000	कश्मीर का लोक थियेटर
बाल रंगमंच				
	1.	रंग प्रभात, केरल	5,000	बाल नाटकों की प्रस्तुति

1	2	3	4	5
	2.	लिटिल थियेटर (बाल रंग) भूमि, बम्बई	5,000	बाल थियेटर कार्यकलाप के लिए प्रशिक्षण केंद्र का आयोजन
	3.	चिल्ड्रन्स लिटिल थियेटर, कलकत्ता	5,000	बाल नाटकों की प्रस्तुति
	4.	कला शुभेंदु, गोवा	4,000	बाल नाटकों की प्रस्तुति
	5.	दिल्ली चिल्ड्रन्स थियेटर, नई दिल्ली	3,000	बाल नाटकों की प्रस्तुति
	6.	बाल नाट्य, बम्बई	3,000	बाल नाटकों की प्रस्तुति
संगीत/नाटक और नृत्य				
	1.	कर्नाटक गान कला परिषद्, बंगलौर	7,000	संगीतकार सम्मेलन
	2.	सौरभ, कलकत्ता	7,500	संगीत और नृत्य में प्रशिक्षण
	3.	इंडियन नेशनल थियेटर, बम्बई	10,000	अनुसंधान केंद्र के लिए

1	2	3	4	5
	4.	नालंदा डान्स रिसर्च सेंटर, बम्बई	15,000	शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
	5.	प्राचीन कला केंद्र, चंडीगढ़	3,000.00	शिक्षकों का वेतन (श्री कल्याणपुरकर से अनुरोध किया जाए वे इस संस्था में जाकर कत्थक नृत्य की तकनीकों का मार्गदर्शन दें)
	6.	अवंत गार्दे, इम्फाल	3,000	नृत्य-नाटक की प्रस्तुति के लिए
	7.	श्री राम भारतीय कला केंद्र, नई दिल्ली	5,000	शिक्षकों के वेतन और वाद्ययंत्रों की खरीद के लिए
नृत्य, नाटक और नृत्य रचना				
	1.	उदयशंकर इंडिया कल्चर सेंटर, कलकत्ता	12,000	नृत्य शिक्षकों के वेतन के लिए आर्थिक सहायता

1	2	3	4	5
	2.	नाट्य इंस्टीट्यूट आफ कारियोग्राफी, नई दिल्ली	8,000	नृत्य रचना में प्रशिक्षण और यक्षगान प्रदर्शन के लिए
	3.	तिब्बतन इंस्टीट्यूट आफ परफार्मिंग आर्ट्स, धर्मशाला	6,000	अनुष्ठान नृत्यों का प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन और छात्रों को वजीफा)
स्वांग				
	1.	पदावली, कलकत्ता	3,000	मुकाभिनय में प्रशिक्षण (शिक्षकों का वेतन)
		कुल जोड़ :	4,37,500	

-0-

परिशिष्ट- V

वर्ष 1983-84 के दौरान व्यक्ति / संस्थाओं को स्वीकृत विवेकाधीन अनुदान का विवरण

क्र०सं०	नाम और पता	राशि	प्रयोजन
1.	श्रीमती मंजुरबाला मार्फत स्टेशन डायरेक्टर, ए० आई० आर०, कलकत्ता ।	2,000.00	वित्तीय राहत - चिकित्सा व्यय के लिए
2.	प्रेसीडेंट, वीमेंस एसोसिएशन आफ दिल्ली 6, भगवान दास रोड, दिल्ली ।	2,000.00	नृत्य तथा संगीत समारोह
3.	श्री मनोहर मुले मार्फत श्री अरविंद, एन० पारिख 12-के, दुबाष मार्ग, बंबई	2,000.00	वित्तीय राहत
4.	श्रीमती एम०एल० वसंतकुमारी मार्फत मि के० शकरनम युनाइटेड कामर्शियल बैंक मद्रास	2,000.00	वित्तीय राहत
	रु०	8,000.00	

सामान्य

निरीक्षण रिपोर्ट तथा नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी में दिए गए प्रेक्षणों को छोड़कर लेखा रिकार्डों के रखरखाव की सामान्य स्थिति संतोषजनक थी ।

नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणी की एक प्रति, जिसमें वे मामूली आपत्तियां दी गई हैं जिनका निपटान मौके पर नहीं किया जा सकता, अनुपालनार्थ एवं सत्यापन के लिए अगली लेखापरीक्षा के समय प्रस्तुतार्थ अलग से सौंपी गई थी ।

लेखापरीक्षा प्रमाण-पत्र :

मैंने संगीत नाटक अकादमी के वर्ष 1983-84 के पिछले समेकित वार्षिक लेखाओं की जांच कर ली है जिनमें अकादमी के मुख्यालय तथा उसके घटक एककों के वार्षिक लेखाओं सहित तुलनपत्र, आय तथा व्यय लेखा शामिल हैं । जहां तक मेरी जानकारी है और मुझे जो सूचना और स्पष्टीकरण दिया गया है या लेखापरीक्षा के समक्ष प्रस्तुत अकादमी के रिकार्डों से मैंने जो जानकारी प्राप्त की उसके आधार पर मैं प्रमाणित करता हूं कि निरीक्षण लेखापरीक्षा रिपोर्ट तथा नमूना लेखापरीक्षा टिप्पणियों में दिए गए प्रेक्षणों को छोड़कर, अकादमी के बाकी वित्तीय लेखे संतोषजनक हैं ।

ह0/- (एल0 नारायण)
निरीक्षण अधिकारी
डी0ए0सी0आर0, नई दिल्ली

सचिव, संगीत नाटक अकादमी कृपया रिपोर्ट को देख लें और यदि कोई वास्तविक गलती हो तो उसका उल्लेख करें ।

निरीक्षण अधिकारी
डी0ए0सी0आर0, नई दिल्ली

वर्ष 1983-84 का समन्वित प्राप्ति तथा अदायगी लेखा

(योजनेतर), संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

प्राप्तियां	संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली	कथक केंद्र, नई दिल्ली	जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल	जोड़
	रु०	रु०	रु०	रु०
1	2	3	4	5
अथ शेष	10879.43	3267.35	585.25	14732.03
मणिपुर राज्य कला अकादमी से प्राप्त अनुदान	–	–	5000.00	5000.00
मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	3013000.01	770000.00	750000.00	4533000.01
प्रकाशनों की बिक्री	19952.95	–	–	19952.95
स्टूडियों के भाड़ा प्रभार	2260.00	–	–	3260.00
विविध प्राप्तियां				
– सामान्य	7566.60	2754.87	–	10331.47
– अनुदानों की वापसी	155.75	–	–	155.75

परिशिष्ट- VI

क्र0 सं0	अदायगियां	संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली	कथक केन्द्र नई दिल्ली	जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल	जोड़
		रु0	रु0	रु0	रु0
6	7	8	9	10	11
1.	कार्यालय व्यय				
(1)	स्थापना का वेतन	561681.34	333244.92	680951.17	1575877.43
(2)	भत्ते तथा मानदेय	518314.36	291091.51	15637.00	830042.87
(3)	उत्पादकता संबद्ध बोनस स्कीम	14719.80	-	-	14719.80
2क)	छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	-	-	2748.00	2748.00
(3)	किराया, परिकर तथा कर :				
(क)	टेलीफोन	47706.50	9503.66	3510.65	60720.81
(ख)	भवन का किराया	97534.65	-	-	97534.65
(ग)	बिजली तथा पानी प्रभार	29476.63	-	-	29476.63
(4)	अंशदायी भविष्य निधि में अंशदान	123934.00	31676.00	36342.00	191952.00
(5)	अन्य प्रभार	165377.02	89973.16	10793.56	266143.74

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
शिक्षा शुल्क/ प्रवेश शुल्क	–	19235.00	2428.00	21663.00
छात्रावास प्रभार	–	11361.00	–	11361.00
कालापाड़ा प्रभार	–	–	14800.00	14800.00
योजना से बिजली प्रभार (जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी)	–	–	2000.00	2000.00
केन्द्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के लिए कर्मचारियों का अंशदान	–	670.50	–	670.50

6 7	8	9	10	11
	रु0	रु0	रु0	रु0
(6) आकस्मिक व्यय	14152.93	1305.75	-	[illegible]
(7) उपदान	8314.85	1753.10	18365.00	[illegible]
(8) मकान निर्माण पेशगी	12000.00	-	-	[illegible]
(9) प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	-	-	-
कुल कार्यालय व्यय	1593462.07	767036.10	755347.38	3115895.55
2. महापरिषद् के सदस्यों तथा अन्य को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता	115985.40	6374.50	1440.00	123799.90
3. फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	23804.65	15218.70	1403.00	40426.75
4. पुस्तकालय	30689.84	1647.95	2710.60	35048.39
5. ग्रामोफोन रिकार्ड	8115.17	-	-	8115.17
6. तबला का उपस्कर, फिल्मिंग और रिकार्डिंग	31066.00	-	-	31066.00
7. प्रकाशन (अकादमी)	73951.47	6412.00	-	80363.47

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
स्टाफ से वसूली	-	-	167.35	167.35
सावधि जमा पर ब्याज (जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी)	-	-	15600.00	15600.00
सवारी पेशगी पर ब्याज	1054.82	-	952.80	2007.62
सवारी पेशगी की वसूलियां	2264.60	595.60	3720.00	6580.20
त्योहार पेशगी की वसूलियां	5765.00	1940.00	4580.00	12285.00

6	7	8	9	10	11
		रु०	रु०	रु०	रु०
	8. रायल्टी	1639,00	-	-	1639,00
	9. गोष्ठियाँ, प्रदर्शनियाँ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम	119693.15	-	5017,00	124710.15
	10. अनुवाद	1354,00	-	-	1354,00
	11. पुरस्कार तथा इनाम	409007.56	-	2650,00	411657.56
	12. सांस्कृतिक विनिमय व्यय, प्रतिनिधि तथा उपहार	3088.65	-	-	3088.65
	13. सांस्कृतिक संस्थाओं को अनुदान	587250,00	-	-	587250,00
	14. प्रकाशन अनुदान	34350,00	-	-	34350,00
	15. कानूनी प्रभार	4175,00	2454.30	-	6629.30
	16. सवारी खरीदने के लिए पेशगी	4245,00	3500,00	6000,00	13745,00
	17. त्योहार पेशगी	6400,00	1800,00	4400,00	13600,00
	18. लेखापरीक्षा तथा लेखा शुल्क	24050,00	750,00	-	24800,00
	19. छात्रावास का अनुरक्षण	-	-	-	-
	20. वाद्य यंत्रों की खरीद	-	-	-	-

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
नृत्य प्रदर्शन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान	–	–	8706.60	8706.60
<u>उक्त लेखा</u> :				
संगीत नाटक अकादमी कथक केंद्र भविष्य निधि	–	55195.00	–	55195.00
सं० से छात्रवृत्ति विभाग	–	30670.50	–	30670.50
राजस्थान सं०ना० अ० से प्राप्त छात्रवृत्ति	–	4200.00	–	4200.00
जमानत राशि	–	1230.00	–	1230.00
पुनर्भुगतान राशि	–	195.00	–	195.00
सं०ना०अ० अधिकारियों की अंशदायी भविष्य निधि में केंद्र का अंशदान	–	20901.00	–	20901.00
संगीत नाटक अकादमी के कर्मचारी	–	14180.70	–	14180.70

6	7	8	9	10	11
		रु0	रु0	रु0	रु0
21.	छात्रवृत्ति	–	–	21088.35	21088.35
22.	नृत्य प्रवृत्ति के प्रसार	–	–	5216.50	5216.50
23.	परीक्षकों की खरीद	–	–	1880.00	1880.00
	उचंत लेखा :				
23.	संगीत नाटक अकादमी के0के0 पी0 निधि	–	73518.00	–	73513.00
24.	संस्कृति छात्रवृत्ति विभाग	–	29962.40	–	29962.40
25.	राजस्थान सं0ना0 अ0 से छात्रवृत्ति	–	4200.00	–	4200.00
26.	अवधान राशि	–	340.00	–	340.00
27.	पुरस्कार राशि	–	80.00	–	80.00
28.	अंशदायी भविष्य निधि में केंद्र का अंशदान	–	8629.00	–	8629.00
29.	सं0ना0अ0 के कर्मचारी	–	16601.60	–	16601.60

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
पेंशनि अंशदायी				
भविष्य निधि	-	22419.00	-	22419.00
पेंशनियाँ				
(सामान्य)	203252.37	31064.16	-	234316.53
राशिकरण	9789.00	7571.00	-	17360.00
उपदान - सामान्य	4396.00	3695.00	-	8091.00
अंशदायी भविष्य				
निधि (अभिदान)	121927.00	32845.00	-	154772.00
जीवन बीमा				
(किश्त)	13380.60	17057.20	-	30437.80
अवितरित समर्पण परि-				
भत्ता	202.30	-	-	202.30
अवितरित वेतन	78813.38	70755.09	-	199568.47
अवितरित महंगाई अतिरिक्त भत्ता	5465.00	-	-	5465.00
अवितरित				
अंतरिम सहायता	1272.00	-	-	1272.00
पेंशनागत रोकड़				
बही से अस्थायी				
निधि अंतरण	250000.00	227000.00	-	477000.00
अमानत जमा	-	-	3400.00	3400.00

6	7	8	9	10	11
		रु0	रु0	रु0	रु0
30.	पेंशन अंशदायी भविष्य निधि	–	26071.00	–	26071.00
31.	पेंशनें (सामान्य)	201463.16	34480.49	3726.00	239669.65
32.	आयकर	9789.00	7571.00	–	17360.00
33.	स्वंन - सामान्य	2866.00	1115.00	–	3981.00
34.	अंशदायी भविष्य निधि (अभिदान)	121927.00	20495.00	–	142422.00
35.	जीवन बीमा (किस्त)	13380.20	16373.20	675.80	30429.70
36.	अवितरित समयोपरि भत्ता	202.30	–	–	202.30
37.	अवितरित वेतन	78813.38	70683.89	–	149497.27
38.	अवितरित अतिरिक्त मंहगाई भत्ता	4985.00	–	–	4985.00
39.	अवितरित अंतरिम सहायता	1260.00	–	–	1260.00
40.	अंजनगत रोकड़ बही में स्थायी निधि संतरण	250000.00	227000.00	–	477000.00
41.	जमानत जमा	–	–	3200.00	3200.00

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
सामान्य भविष्य निधि	1800.00	-	3003.00	4803.00
अंशदायी भविष्य निधि में आस्थगित अतिरिक्त मंहगाई भत्ता / नगर प्रतिकर भत्ता / मकान किराया भत्ता	3772.15	-	-	3772.15
मकान निर्माण पेशगी की वसूलियाँ	8804.00	-	200.00	9004.00
मकान निर्माण पेशगियों पर प्राप्त ब्याज	243.75	-	-	243.75

6	7	8	9	10	11
		रू0	रू0	रू0	रू0
42.	सामान्य भविष्य निधि	1800.00	-	-	1800.00
43.	कल्याण केन्द्र को प्रेषित स्थायी पेशगी की वसूलियां	245.60	-	-	245.60
44.	अंशदायी भविष्य निधि में स्थगित अतिरिक्त मंहगाई भत्ता / नगर प्रतिकर भत्ता / मकान किराया भत्ता	3772.15	-	-	3772.15

इति शेष

डाक शुल्क पेशगी	-	283.35	-	283.35
दुसरा रोकड़ बही	0.08	3.27	-	3.35

1	2	3	4	5
जोड़ :	376016.71	1348802.97	815143.00	5929962.68

ह0/- (हरमीत सिंह)
अधीक्षक (लेखा)
संगीत नाटक अकादमी,
रवींद्र भवन,
नई दिल्ली

ह0/- (जे0एन0 मेहरा)
लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

6	7	8	9	10	11
		रु०	रु०	रु०	रु०
नकद रोकड़		5563.23	3093.74	203.50	8860.47
बैंक शेष		632.15	3063.48	184.87	3880.50
जोड़		376016.71	1348802.97	815143.00	5929962.68

ह०/- (वरुण दास)
वित्त तथा लेखा अधिकारी,
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

ह०/- (के०एस० कोठारी)
सचिव
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

वर्ष 1983-84 का समेकित प्राप्ति तथा अदायगी लेखा
(योजनागत) संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

प्राप्तियां	संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली (रु0)	कत्थक केंद्र, नई दिल्ली (रु0)	जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल (रु0)	जोड़ (रु0)
1	2	3	4	5
थ शेष :	600544.62	6465.99	11626.45	618637.06
मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	2518999.98	575000.00	269000.00	3362999.98
वृत्त-चित्रों की बिक्री	–	–	–	–
छायाचित्रों की बिक्री	6246.00	–	–	6246.00
विविध प्राप्ति - केंद्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	237.00	49.50	–	286.50
विविध प्राप्ति - सामान्य	870.22	–	–	870.22
विविध प्राप्ति - अनुदान की वापसी	127950.57	–	–	127950.57

क्रम संख्या	अदायगियां	सं०ना०अ० नई दिल्ली (रु०)	कत्थक केंद्र, नई दिल्ली (रु०)	जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल (रु०)	जोड़ (रु०)
6	7	8	9	10	11
1.	कार्यालय व्यय :				
	स्थापना का				
(क)	वेतन	128934.24	92722.43	195568.25	417224.92
(ख)	भत्ता तथा मानदेय	110773.40	87558.45	-	198331.85
(ग)	अंशदायी भविष्य निधि	19077.00	5231.00	5846.00	30154.00
(घ)	अन्य प्रभार	54782.41	20673.07	4909.75	80265.23
(ङ.)	सत्कार व्यय	2041.05	488.50	-	2529.55
2.	वाहनदस्ता - संबद्ध अंजस	-	13860.75	-	13860.75
3.	[सदस्यों को] यात्रा भत्ता/ दैनिक भत्ता	-	-	8149.20	8149.20
4.	फर्नीचर तथा कार्यालय उपस्कर	20664.41	77310.37	2178.00	100152.78
5.	तकनीकी उपस्कर तथा कच्ची सामग्री	772057.87	7528.81	-	29035.93

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
सावधि जमा पर ब्याज (जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी)	-	-	5389.22	5389.22
सावधि जमा का नकद भुगतान (जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी)	-	-	84800.00	84800.00

6	7	8	9	10	11
		रु0	रु0	रु0	रु0
6. पुस्तकालय		29035.93	-	-	29035.93
7. प्रलेखन अभिलेखागार संग्रह तथा प्रदर्शन-कलाओं से संबंधित अभिलेखागारीय सामग्री का प्रलेखन तथा प्रसार		264126.28	-	-	264126.28
8. संगीत विज्ञान में अनुसंधान		14460.80	-	-	14460.80
9. प्रदर्शन कलाओं के दुर्लभ रूपों का संवर्धन तथा उनका परिरक्षण		174301.00	-	-	174301.00
10. फैलोशिप योजना		1440.00	-	-	1440.00
11. विभिन्न योजनाओं के अधीन कार्य-कलापों में वृद्धि के लिए सांस्कृतिक संस्थाओं को अनुदान		288352.20	-	-	288352.20

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
प्रकाशनों की बिक्री	-	-	58.00	58.00

6	7	8	9	10	11
		रु0	रु0	रु0	रु0
11(1)	सांस्कृतिक से संबंधित संस्थाओं/व्यक्तियों को अनुदान	7500.00	-	-	7500.00
12.	कठपुतली-कला का संवर्धन तथा परिरक्षण	66400.60	-	-	66400.00
13.	युवा थियेटर कार्यकर्ताओं को सहायता	162299.95	-	-	162299.95
14.	कश्मीरी संस्कृति का विकास	39547.05	-	-	39547.05
15.	संगीत एवं उत्सवों का आयोजन	90000.00	-	-	90000.00
16.	सांस्कृतिक मंडलियों का अंतर्राज्यीय विनिमय	644119.12	-	-	644119.12
17.	कलावास का अनुरक्षण	-	9387.15	-	9387.15
18.	बकाया देयताएं	10014.48	-	-	10014.48
19.	वाहनों की खरीद	-	-	99255.51	99255.51

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
त्योहार पेशगी को वसूलियां	805.00	1440.00	2840.00	5[illegible]85.00
प्रायोजित कार्यक्रम (बाहर)	-	21660.00	-	21660.00
प्रायोजित कार्यक्रम (स्थानीय)	-	58750.00	-	58750.00

6	7	8	9	10	11
		रु०	रु०	रु०	रु०
20.	अस्थायी गैराजों का निर्माण	-	-	3635.00	3635.00
21.	फिल्मिंग तथा रिकार्डिंग	-	-	180.00	180.00
22.	छात्रवृत्तियां I, II, III वर्ष	-	78901.57	-	78901.57
23.	प्रस्तुति तथा कार्यक्रम	-	168456.87	28741.15	197198.02
24.	पोशाक और आभूषणों की खरीद	-	19508.58	3980.00	23488.58
25.	मकान निर्माण पेशगी	-	-	30000.00	30000.00
26.	अतिथि प्रोफेसर	-	8677.40	-	8677.40
27.	ऐतिहासिक सामग्री का संग्रह	-	3117.00	-	3117.00
28.	लेखापरीक्षा शुल्क	-	-	6500.00	6500.00
29.	त्योहार पेशगी	1400.00	1000.00	3000.00	5400.00
30.	प्रायोजित कार्यक्रम (बाहर)	-	1970.80	-	1970.80
31.	प्रायोजित कार्यक्रम (स्थानीय)	-	2423.29	-	2423.29

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
भारत से बाहर (अफगानिस्तान)	-	1358,00	-	1358.00
पेशगी (सामान्य)	-	10 1417.93	-	10 1417.93
स्टाफ के सदस्यों को पेशगी	2 16940 . 18	-	-	2 16940 .18
बाहरी पार्टियों को पेशगी	880 31, 30	-	-	880 31.30
सामान्य भविष्य निधि	3600 .00	-	-	3600 .00
अंशदायी भविष्य निधि	13549 .00	13396,00	-	26945.00
जीवन बीमा निगम	1196, 80	2890 ,00	-	4086 .80
केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों की बीमा योजना	240 .00	-	-	240 .00
अवितरित वेतन	36215,95	22764, 60	-	58980 .55
अवितरित अतिरिक्त महंगाई भत्ता	1025, 80	-	-	1025, 80

6	7	8	9	10	11
		रु०	रु०	रु०	रु०
32.	वाद्य यंत्र	-	4738.08	-	4738.08
33.	पुस्तिका का प्रकाशन	-	-	4019.00	4019.00
34.	पेशगी - सामान्य	-	103947.23	-	103947.23
35.	स्टाफ के सदस्यों को पेशगी	184049.00	-	-	184049.00
36.	बाहरी पार्टियों को पेशगी	116451.72	-	-	116451.72
37.	सामान्य भविष्य निधि	3600.00	-	-	3600.00
38.	अंशदायी भविष्य निधि	13549.00	13396.00	-	26945.00
39.	जीवन बीमा निगम	1196.80	2890.00	-	4086.80
40.	केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों की बीमा योजना	240.00	-	-	240.00
41.	अवितरित वेतन	36215.95	22579.80	-	58795.75
42.	अवितरित अतिरिक्त महंगाई भत्ता	1025.80	-	-	1025.80

1	2	3	4	5
	रु0	रु0	रु0	रु0
अंशदायी भविष्य निधि - मकान किराया भत्ता/ नगर प्रतिकर भत्ता	1284.70	-	-	1284.70
आयकर	546.00	-	-	546.00
योजनेतर व्यय से अस्थायी निधि अंतरण	250000.00	227000.00	-	477000.00
सवारी पेशगी की वसूलियां	600.00	-	900.00	1500.00
उचंत (सामान्य)	450.00	28542.90	-	28992.90
अवितरित अंतरिम सहायता	240.00	-	-	240.00
केंद्रीय छात्रवृत्ति निधि	-	-	26768.20	26768.20
मकान निर्माण पेशगी की वसूलियां	610.00	-	-	610.00
पेशगियां सामान्य थागंटा कलाकारों को मानदेय (प्राप्त)	-	-	10000.00	10000.00

6	7	8	9	10	11
		रु0	रु0	रु0	रु0
43.	अंशदायी भविष्य निधि - मकान किरायत भत्ता/ नगर प्रतिकर भत्ता	1284,70	-	-	1284,70
44.	फर्नीचर के लिए पेशगी	-	-	7300,00	7300,00
45.	आयकर	546,00	-	-	546,00
46.	योजनेतर व्यय में अस्थायी निधि अंतरण	250000,00	227000,00	-	477000,00
47.	भारत का त्योहार	-	43,00	-	43,00
48.	उचंत (सामान्य)	-	18158,00	-	18158,00
49.	अवितरित अंतरिम सहायता	368,30	-	-	368,30
50.	केंद्रीय छात्रवृत्ति निधि	-	-	26768,30	26768,30
51.	मकान निर्माण पेशगी की वसूलियां	360,00	-	-	360,00
52.	थागटा कलाकारों को मानदेय	-	-	10000,00	10000,00

1	2	3	4	5
	रु०	रु०	रु०	रु०
विद्वानों के चयन पर हुए खर्च की वापसी	–	–	1431.30	1431.30
दौरे तथा कार्यक्रम	–	–	28144.75	28144.75
जोड़ :	3870173.12	1060734.92	440947.92	5371855.96

ह0/- (हरमीत सिंह)
अधीक्षक (लेखा)
संगीत नाटक अकादमी
रवीन्द्र भवन,
नई दिल्ली

ह0/- (जे0एन0 मेहरा)
लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

6	7	8	9	10	11
		रु0	रु0	रु0	रु0
इतिशेष :					
नकद		32899.14	20918.29	-	53817.43
बैंक		327058.92	48388.48	917.86	376365.26
जोड़		3870173.12	1060934.92	440947.92	5371855.96

ह0। - (चरण दास)
वित्त तथा लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

ह0। - (के0एस0 कोठारी)
सचिव
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

(संगीत नाटक अकादमी, कत्थक केंद्र, जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी)

31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष का समेकित आय-व्यय लेखा

व्यय

विवरण	अनुसूची	राशि
आरंभिक स्टाक	--	8, 23, 231.50
अनुदान	14	9, 17, 030.45
कार्यकलाप व्यय	15	24, 04, 703.92
प्रशासनिक व्यय	16	38, 86, 386.97
अन्य व्यय	17	10, 39, 014.75
अधिशेष		
तुलन-पत्र में अंतरित	18	रु0 23, 32, 927.87
	जोड़	रु0 1, 13, 92, 275.46

ह0/- (जे0 एन0 मेहरा)
लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

ह0/- (चरण दास)
वित्त तथा लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

परिशिष्ट- VII

आय

विवरण	अनुसूची	राशि
अनुदान	19	1,07,85,045.97
शुल्क तथा प्रभार	20	58,790.60
अन्य आय	21	1,33,517.89
शेष माल	--	4,14,921.00

जोड़ रू0 1,13,92,375.46

ह0

(के0 एस0 कोठारी)
सचिव
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

(संगीत नाटक अकादमी, कथक केंद्र, जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी)

31 मार्च, 1984 को समेकित तुलन-पत्र

देयताएं

विवरण	अनुसूची		राशि
निधियां			
स्थायी परिसम्पत्तियां	10	61,72,188.06	
कलाकार कल्याण		23,200.00	
छात्रवृत्तियां		22,700.00	
पुरस्कार तथा मेडल		17,500.00	62,35,588.06
भविष्य निधि	11		16,35,457.30
सं0म0नि0 लेखा से ऋण			60,000.00
वापसी योग्य/ समायोज्य अनुदान	12		24,18,885.33
चालू देयताएं और			
चालू देयताएं	13	1,77,841.30	
प्रावधान		1,90,500.00	3,68,341.30
उचंत			
समायोजन निलम्बित			17,959.19

परिशिष्ट-VIII

परिसम्पत्तियाँ

विवरण	अनुसूची		राशि
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
संलग्न अनुसूची के अनुसार	1		63,57,532.37
कलाकार कल्याण निधि निवेश:			
भारतीय स्टेट बैंक में			30,000.00
भविष्य निधि निवेश	2		16,31,231.50
अतिरिक्त परिलब्धियाँ अनिवार्य			
जमा योजना	3		2,694.50
चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण तथा पेशगियाँ			
चालू परिसम्पत्तियाँ			
प्रकाशन तथा जर्नल का स्टाक		4,14,921.00	
विविध देनदार			
(प्रकाशनों तथा जर्नल के लिए)			
सरकारी एजेंसियाँ		21,262.01	
अन्य		10,348.10	
हाथ रोकड़	4	62,474.40	

विवरण	अनुसूची	राशि
	जोड़ रु0	1,07,36,231.18

ह0/- (जे0 एन0 मेहरा)
लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

ह0/- (चरण दास)
वित्त तथा लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

विवरण	अनुसूची		राशि
हाथ हुदरा रोकड़	5	206.85	
शेष डाक टिकट		1,111.45	
डाक शुल्क अग्रदाय		383.35	
भारतीय स्टेट बैंक में शेष			
चालू खाते में	6	3,80,245.76	
सावधि जमा में		40,300.00	9,31,052.92
ऋण तथा पेशगियां	7		16,83,461.73
वसूलियां	8		99,505.34
उचंत			
समायोजन निलम्बित	9	रु0	11,672.83
		जोड़ : रु0	1,07,36,231.18

ह0/-
(के0 एस0 कोठारी)
सचिव
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

31 मार्च, 1984 को समाप्त वर्ष के लेखाओं के भाग के रूप में

अनुसूचियां

अनुसूची -1

स्थायी परिसम्पत्तियां

संगीत नाटक अकादमी		
योजनागत	45, 38, 184.18	
योजनेतर	12,01, 649.29	57, 39, 833.47
कत्थक केंद्र		
योजनागत	2, 52, 365.08	
योजनेतर	1, 79, 989.51	4, 32, 354.59
जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी		
योजनागत	1, 61,983.51	
योजनेतर	23, 360.80	1, 85, 344.31
	जोड़ :	63, 57, 532.37

अनुसूची -2

भविष्य निधि निवेश

संगीत नाटक अकादमी

योजनेतर	15,79,850.50
(इसमें कत्थक केंद्र, नई दिल्ली की बकाया राशि भी शामिल है)	
जोड़ें, कत्थक केंद्र के कर्मचारियों को दिया गया ऋण	51,371.00
जोड़ :	16,31,221.50

अनुसूची -3

अतिरिक्त परिलब्धियां अनिवार्य जमा योजना

कत्थक केंद्र (योजनेतर)

पुरानी	1,510.00	78.80		
नई	1,510.00	3,615.70	रु0	3,694.50

अनुसूची -4

हाथ रोकड़

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	32,899.14	
योजनेतर	5,563.23	38,462.37

कत्थक केंद्र

योजनागत	30,918.29		
योजनेतर	3,093.74	34,012.03	63,474.40

अनुसूची -5

हाथ खुदरा रोकड़

संगीत नाटक अकादमी

योजनेतर	0.08	

कत्थक केंद्र

योजनेतर	3.27	

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनेतर	303.50	306.85

अनुसूची -6

भारतीय स्टेट बैंक में शेष राशि (चालू खाते में)

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	3,37,058.92	
योजनेतर	632.15	3,37,691.07

कत्थक केंद्र

योजनागत	48,388.48		
योजनेतर	3,063.48	51,451.96	

जवाहर लाल नेहरू
मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनागत	917.86		
योजनेतर	184.87	1,102.73	3,80,245.76

अनुसूची -7

ऋण तथा पेशगियां

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	11,28,340.18		
योजनेतर	1,69,819.52	12,98,159.70	

कत्थक केंद्र

योजनागत	2,98,314.30		
योजनेतर	17,745.42	3,16,059.72	

जवाहर लाल नेहरू
मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनागत	47,434.50		
योजनेतर	20,807.80	68,242.30	16,82,461.72

अनुसूची -8

वसूलियाँ :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	14,074.53	
योजनेतर	85,520.81	99,595.34

अनुसूची -9

उचंत (डी आर)

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत (डी आर)	946.90	
योजनेतर (डी आर)	10,725.93	11,672.83

अनुसूची -10

स्थायी परिसम्पत्ति निधि

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	45, 38, 184.18	
योजनेतर	12, 01, 649.29	57, 39, 833.47
कत्थक केंद्र		
योजनागत	2, 52, 365.08	
योजनेतर	1, 79, 989.51	4, 32, 154.59
		61, 72, 188.06

अनुसूची -11

भविष्य निधि

संगीत नाटक अकादमी

(इसमें कत्थक केंद्र भी शामिल है)	15, 76, 650 . 50
घटाएं : कत्थक केंद्र की बहियों में उसका डी०आर० शेष	3, 64, 066.95
	12, 12, 583.55
जोड़ें : कत्थक केंद्र की बहियों में उसका क्रेडिट शेष	4, 22, 873.75
	16, 35, 457 . 30

अनुसूची -12

वापसी योग्य / समायोजनीय अनुदान :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	14, 57, 515. 12	
योजनेतर	6, 95, 134 . 31	21, 52, 649 . 43

कत्थक केंद्र

योजनागत	3, 54, 539 . 67	
योजनेतर (-)	2, 36, 209 . 17	1, 18, 330 . 50

जवाहर लाल नेहरू

मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनागत	2,30,719.72		
योजनेतर (-)	72,814.32	1,47,905.40	34,18,885.33

अनुसूची -13

चालू देयताएं :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	27,725.36		
योजनेतर	24,889.97	52,615.33	

कत्थक केंद्र

योजनागत	13,081.40		
योजनेतर	65,157.13	78,238.53	

जवाहर लाल नेहरू

मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनागत	17,833.27		
योजनेतर	29,154.17	46,987.44	1,77,841.30

अनुसूची - 14

अनुदान व्यय :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत

विभिन्न योजनागत स्कीमों
के अधीन कार्यकलापों में
वृद्धि के लिए

संस्थाओं को	3,95,852.30	
योजनेतर		
संस्थाओं को	5,87,250.00	
प्रकाशनार्थ	34,350.00	
	6,21,600.00	
घटाएं : वापस किया गया अनुदान	155.75	6,21,444.25
		9,17,020.45

अनुसूची -15

कार्यकलाप व्यय :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	13,36,362.95		
योजनेतर	6,45,435.83	19,81,798.78	

कत्थक केंद्र

योजनागत	2,89,601.56		
योजनेतर	89,363.48	3,78,965.04	

जवाहर लाल नेहरू
मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनागत	9,968.25		
योजनेतर	33,971.85	43,940.10	24,04,703.92

अनुसूची -16

प्रशासनिक व्यय :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	2,86,111.87	
योजनेतर	17,30,357.77	20,16,469.64

कत्थक केंद्र

योजनागत	1,99,372.63	
योजनेतर	6,94,440.12	8,93,812.75

जवाहर लाल नेहरू

मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनागत	2,14,085.30		
योजनेतर	7,62,019.28	9,76,104.58	38,86,386.97

अनुसूची -17

अन्य व्यय :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	8,53,828.50		
योजनेतर	49,960.46	9,03,788.96	

कत्थक केंद्र

योजनागत	1,09,085.84		
योजनेतर	16,139.95	1,25,225.79	10,29,014.75

अनुसूची -18

निवल अधिशेष (तुलनपत्र में अंतरित)

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	14,57,515.12	
योजनेतर	6,95,134.31	21,52,649.43

कत्थक केंद्र

योजनागत	3, 54, 539. 67		
योजनेतर (-)	2, 36, 209. 17	1, 18, 330. 50	

जवाहर लाल नेहरू
मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनागत	60, 284.42		
योजनेतर	1, 663.52	61,947.94	23, 32,9 37. 87

अनुसूची - 19

अनुदान :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, संस्कृति विभाग, नई दिल्ली से	33, 62,999.98	
- अव्ययित शेष - गत वर्ष के तुलनपत्र से अंतरित	17, 03, 317. 44	50, 66, 317.42

योजनेतर

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार,		
नई दिल्ली से	45,33,000.01	
- अव्ययित शेष -		
गत वर्ष के तुलनपत्र से		
अंतरित	11,20,829.74	56,53,829.75
		1,07,20,147.17

कत्थक केंद्र

योजनागत

गत वर्ष के तुलनपत्र से		
अंतरित	3,00,185.79	

योजनेतर

घटाएं : गत वर्ष के तुलनपत्र		
के अनुसार वापसी योग्य		
समायोजनीय	2,40,286.99	59,898.80

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी

राज्य कला अकादमी,		
इम्फाल से		5,000.00
		1,07,85,045.97

अनुसूची -20

शुल्क तथा अन्य प्रभार :

कत्थक केंद्र

योजनागत	--		
योजनेतर	30,596.00	30,596.00	

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी

योजनेतर		25,934.60	

संगीत नाटक अकादमी

योजनेतर		2,260.00	58,790.60

अनुसूची -21

अन्य आय तथा प्राप्तियां :

संगीत नाटक अकादमी

योजनागत	7,077.22	
योजनेतर	13,543.37	20,620.59

कत्थक केंद्र

योजनागत	77,413.91		
योजनेतर	3,425.37	80,839.38	

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर

नृत्य अकादमी

योजनागत	15,337.87		
योजनेतर	16,720.15	32,058.02	1,33,517.89

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

(संगीत नाटक अकादमी, कत्थक केंद्र, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी)

31 मार्च, 1984 को स्थायी परिसम्पत्तियों की अनुसूची

क्रम सं० विवरण	31 मार्च, 1983 तक		
	योजनागत	योजनेतर	जोड़
1. फर्नीचर			
संगीत नाटक अकादमी	3,78,600.58	3,11,898.89	6,90,499.47
कत्थक केंद्र	18,322.63	88,163.59	1,06,486.22
जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी	25,386.87	13,050.75	38,437.62
जोड़ :	4,22,310.08	4,13,113.23	8,35,423.31
2. फिल्मिंग तथा रिकार्डिंग के साधित्र			
संगीत नाटक अकादमी	26,40,209.80	1,17,285.13	27,57,494.93
कत्थक केंद्र	17,472.20	32,161.08	49,633.28
जोड़ :	26,57,682.00	1,49,446.21	28,07,128.21
3. टेप, डिस्क, ग्रामोफोन रिकार्ड, फिल्म आदि			
संगीत नाटक अकादमी	3,95,126.15	4,02,565.82	7,97,691.97
कत्थक केंद्र	3,247.72	2,219.39	5,467.11
जोड़ :	3,98,373.87	4,04,785.21	8,03,159.08

वर्षों के दौरान ऋणापरिहार			31 मार्च, 1984 तक		
योजनागत	योजनेतर	जोड़	योजनागत	योजनेतर	जोड़
237750.29	23804,65	261554,94	616350.87	335703,54	952054.41
77310.37	15218.70	92529.07	95633.00	103382.29	199015.29
2178.00	1403.00	3581.00	27564.87	14453.75	42018.62
317238.66	40426.35	357665.01	739548.74	453539.58	1193088.32
530793.55	-	530793.55	3171003.35	117285.13	3288288.48
7528.81	-	7528.81	25001.01	32161.08	57162.09
538322.36	-	538322.36	3196004.36	149446.21	3345450.57
54511.27	8115.17	62626.44	449637.42	410680.99	860318.41
-	-	-	3247.72	2219.39	5467.11
54511.27	8115.17	62626.44	452885.14	412900.38	865785.52

क्रम सं०	विवरण	31 मार्च 1983 तक		
		योजनागत	योजनेतर	जोड़
4.	संग्रहालय			
	संगीत नाटक अकादमी	1,53,898.34	44,500.95	1,98,399.29
	जोड़ :	1,53,898.34	44,500.95	1,98,399.29
5.	पुस्तकालय की पुस्तकें			
	संगीत नाटक अकादमी	1,16,520.81	3,41,175.15	3,57,695.96
	कत्थक केंद्र	-	15,510.12	15,510.12
	जवाहर लाल नेहरू			
	मणिपुर नृत्य अकादमी	-	2,505.45	2,505.45
	जोड़ :	1,16,520.81	2,59,190.72	3,75,711.53
6.	स्टाफ कार			
	संगीत नाटक अकादमी	-	34,262.89	34,262.89
	जोड़ :	-	34,262.89	34,262.89
	कुल जोड़	37,48,785.10	13,05,299.21	50,54,084.31

वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा			31 मार्च, 1984 तक		
योजनागत	योजनेतर	जोड़	योजनागत	योजनेतर	जोड़
1737.46	-	1737.46	155635.80	44500.95	200136.75
1737.46	-	1737.46	155635.80	44500.95	200136.75
29035.93	18040.64	47076.57	145556.74	259215.79	404772.53
-	921.25	921.25	-	16431.37	16431.37
-	1175.60	1175.60	-	3681.05	3681.05
29035.93	20137.49	49173.42	145556.74	279328.21	424884.95
-	-	-	-	34262.89	34262.89
99255.51	-	99255.51	99255.51	-	99255.51
99255.51	-	99255.51	99255.51	34262.89	133518.40
1040101.19	68679.01	1108780.20	4788886.29	1373978.22	6162864.51

क्र॰सं॰ विवरण	31 मार्च, 1983 तक		
	योजनागत	योजनेतर	जोड़
7. पोशाकें, और नकली आभूषण			
कत्थक केंद्र	1,04, 236.69	34, 327.31	1, 38, 564.00
जवाहर लाल नेहरू			
मणिपुर नृत्य अकादमी	–	–	–
जोड़ :	1,04, 236.69	24, 327.31	1, 38, 564.00
8. स्टेंसिल :			
कत्थक केंद्र	–	1, 468.07	1, 468.07
	–	1, 468.07	1, 468.07
9. डुप्लीकेटिंग मशीन			
जवाहर लाल नेहरू			
मणिपुर नृत्य अकादमी	–	3, 346.00	3, 346.00
जोड़ :	–	3, 346.00	3, 346.00
10. जनरेटर :			
जवाहर लाल नेहरू			
मणिपुर नृत्य अकादमी	17,000.00	–	17,000.00
जोड़ :	17,000.00	–	17,000.00

वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा			31 मार्च, 1984 तक		
योजनागत	योजनेतर	जोड़	योजनागत	योजनेतर	जोड़
19508.58	-	19508.58	123745.27	24327.31	148072.58
3980.00	1880.00	5860.00	3980.00	1880.00	5860.00
23488.58	1880.00	25368.58	127725.27	26207.31	153932.58
-	-	-	-	1468.07	1468.07
-	-	-	-	1468.07	1468.07
-	-	-	-	3346.00	3346.00
-	-	-	-	3346.00	3346.00
-	-	-	17000.00	-	17000.00
-	-	-	17000.00	-	17000.00

क्रम सं०	विवरण	31 मार्च, 1983 तक		
		योजनागत	योजनेतर	जोड़
11.	**प्रकाश, ध्वनि उपस्कर :**			
	कत्थक केंद्र	-	-	-
	जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी	10, 548. 13	-	10, 548. 13
	जोड़ :	10, 548. 13	-	10, 548. 13
12.	**अस्थायी गराज :**			
	जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी	-	-	-
	जोड़ :	-	-	-
	कुल जोड़ :	38, 80, 569. 92	13, 34, 440. 59	52, 15, 010. 51

टिप्पणी : संग्रहालय का आशय उसमें रखी पोशाकों, वाद्य यंत्रों, चित्रों और रेखाचित्रों से भी है।

ह०। - (जे०एन० मेहरा)
लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

ह०। - (चरण दास)
वित्त तथा लेखा अधिकारी
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली

स्थान : दिल्ली-110006
तारीख :

वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा			31 मार्च, 1984 तक		
योजनागत	योजनेतर	जोड़	योजनागत	योजनेतर	जोड़
4738.08	-	4738.08	4738.08	-	4738.08
-	-	-	10548.13	-	10548.13
4738.08	-	4738.08	15286.21	-	15286.21
3635.00	-	3635.00	3635.00	-	3635.00
3635.00	-	3635.00	3635.00	-	3635.00
107 19 62.85	70559.01	1142521.86	4952532.77	1404999.60	6357532.37

ह0/- (के0 एस0 कोठारी)
सचिव
संगीत नाटक अकादमी
नई दिल्ली